मुंबई, ठाणे, नवी मुंबई, पनवेल, रायगड़, उल्हासनगर, कल्याण एवं अंबरनाथ का
लोकप्रिय हिंदी दैनिक
उल्हास विकास
■ वर्ष : 44 ■ अंक : 127 ■ शुक्रवार, 1 अगस्त 2025 ■ पृष्ठ 4
3 रुपए
संपादक - हीरो अशोक बोधा BMM, L.L.B., M.A. Mobile.:- 9822045566
epaper.ulhasvikas.com

पृष्ठ.. 4 पर पढ़ें..

उर्वशी रौतेला का बैग लंदन एयरपोर्ट से चोरी

भाजपा ने कालानी खेमे में डाली फूट

- चुनाव से पूर्व धोखे की राजनीति शुरू
- धोखा देने वालों को मिल रहा धोखा
- कालानी के कई समर्थक भाजपा की चौखट पर
- कालानी टीओके से चुनाव लड़ने की तैयारी में
- कालानी व भाजपा में चूहे बिल्ली का खेल

उल्हासनगर. उल्हासनगर शहर की खस्ता हालत के जिम्मेदार नेता इन दिनों चूहे बिल्ली के खेल में व्यस्त हैं। आगामी महानगरपालिका चुनाव से पूर्व शहर में धोखे की राजनीति शुरू हो गई है। पिछले कुछ महीनों से कालानी के भाजपा में प्रवेश की बातें चल रही थी जो बाद में अफवाह साबित हुई लेकिन इन अफवाहों ने तब हकीकत का रुप लिया जब कालानी के कई कट्टर समर्थकों ने भाजपा की चौखट पर दस्तक दी और पक्ष प्रवेश पर उतारु हो गए। वहीं अपने समर्थकों को भाजपा में जाने से रोकने के लिए कालानी भी कई महीनों से प्रयास कर रहे हैं उनमें कुछ हद तक वो सफल भी हुए लेकिन कई नेता व कुछ पूर्व नगरसेवक भाजपा खेमे में जा चुके हैं। कालानी व भाजपा में चल रहे इस चूहे बिल्ली का खेल पिछले कुछ महीनों से शहर की राजनीति में देखने को मिल रहा है।

ज्ञात हो कि विधानसभा चुनाव में शरद पवार की राष्ट्रवादी कांग्रेस पक्ष से करारी हार के बाद ओमी पप्पू कालानी का वर्चस्व अब समाप्ति की ओर जाता हुआ नजर आ रहा है। क्योंकि जिस पक्ष में लोग दौड़कर प्रवेश पाते थे आज उसी पक्ष को लोग छोड़कर भाजपा में जा रहे हैं। कालानी खेमे से आधे से ज्यादा लोग भाजपा में जा चुके हैं।

कालानी के कट्टर समर्थक व कई पूर्व नगरसेवकों का मंगलवार 29 जुलाई को भाजपा में प्रवेश होना था लेकिन अंतिम समय में भाजपा ने इस प्रवेश को टाल दिया क्योंकि कालानी अपने कुछ पुराने समर्थकों को भाजपा प्रवेश में रोकने से सफल हुए। इस पक्ष प्रवेश कार्यक्रम में लाखों की डील फाईनल भी हो चुकी थी। लेकिन भाजपा की देरी का फायदा उठाकर कालानी ने अपने कुछ साथियों को मना लिया। इस दौरान कालानी को भी भाजपा प्रवेश का आफर दिया गया था। लेकिन भाजपा में उनके दोस्त से ज्यादा दुश्मन है जो उन्हें टिकने नहीं देंगे। ऐसे में कालानी ने मनपा चुनाव से पूर्व अपनी पार्टी राकांपा शरद पवार को फिलहाल दरकिनार कर एक बार फिर टीम ओमी कालानी को आगे कर चुनाव की तैयारी कर रहे हैं।

कालानी फिर राकांपा (शरद पवार) को दे रहे धोखा

कालानी सूत्रों ने बताया कि टीओके आगामी चुनाव में सत्ताधारियों के साथ गठबंधन कर सीट बंटवारे कर चुनाव मैदान में उतरेगी अब वो भाजपा, शिवसेना व राकांपा अजित पवार गुट के किसी भी पक्ष के साथ समझौता करने के मूड में है। ऐसे में शरद पवार के पक्ष के साथ कालानी एक बार फिर धोखा कर रहे हैं। वहीं धोखा देने वालों को भी धोखा मिल रहा है क्योंकि कालानी के कई मजबूत पूर्व नगरसेवक व नेता भाजपा में जा चुके हैं। आगामी चुनाव में भाजपा कालानी की इस फूट का भरपूर फायदा उठाएंगे।

इमारत की छत पर आत्मदाह

ज्वलनशील पदार्थ डालकर व्यक्ति ने लगा ली आग

उल्हासनगर. शहर में आत्महत्या की घटना से हड़कंप मच गया है। बुधवार रात एक बहुत ही हृदय विदारक घटना घटी। कैंप 5 क्षेत्र में लक्ष्मीनारायण पैलेस सोसायटी की छत पर एक व्यक्ति ने अपने ऊपर ज्वलनशील पदार्थ डालकर आग लगाकर आत्महत्या कर ली। इस घटना से इलाके में हड़कंप मच गया है और मृतक की पहचान विजय कुमार भोजवानी के रूप में हुई है।

प्राप्त जानकारी के अनुसार, विजय कुमार भोजवानी बुधवार रात अपनी सोसायटी की छत पर गए थे। जब काफी देर बाद भी वे नीचे नहीं आए तो सोसायटी के कुछ निवासियों को संदेह हुआ। इसी बीच छत से धुआं निकलता दिखाई दिया। कुछ निवासी तुरंत छत पर पहुंचे और विजय कुमार भोजवानी को आग की लपटों में घिरा पाया।

इस चौंकाने वाली घटना की सूचना मिलने पर दमकल विभाग और पुलिस घटनास्थल पर पहुंची। आग पर काबू पाने के बाद विजयकुमार का शव कब्जे में ले लिया गया। घटनास्थल पर एक खाली ज्वलनशील तरल पदार्थ का डिब्बा पाया गया, जिससे आत्महत्या का संदेह और मजबूत हो गया। विजयकुमार के इस चरम कृत्य के पीछे का सटीक कारण अभी भी स्पष्ट नहीं है और पुलिस ने आगे की जांच शुरू कर दी है।

विजय कुमार भोजवानी अपने परिवार के साथ इसी सोसायटी में रहते थे। उनकी आत्महत्या से इलाके में हड़कंप मच गया है। पुलिस ने आकस्मिक मृत्यु का मामला दर्ज कर लिया है और उसके परिवार के सदस्यों का बयान दर्ज किया जाएगा। पुलिस ने कहा है कि मौत का सही कारण आगे की जांच के बाद ही स्पष्ट हो सकेगा।

65 एसीपी का तबादला, पुलिस प्रशासन में फेरबदल

मुंबई. महाराष्ट्र गृह विभाग ने पुलिस प्रशासन को सुदृढ़ करने के लिए व्यापक प्रशासनिक बदलाव किया है. इसके तहत राज्यभर के शहरों और जिलों में सहायक पुलिस आयुक्त (एसीपी) स्तर के 65 अधिकारियों के तबादले के आदेश जारी किए गए हैं. इस फेरबदल में ठाणे के तेज-तर्रार एसीपी उत्तम कोलेकर को मुंबई स्थानांतरित किया गया है. जबकि मीरा-भायंदर-वसई-विरार की एसीपी दीपाली खन्ना को ठाणे शहर में नई जिम्मेदारी दी गई है. इसके अलावा, पुणे ग्रामीण के एसीपी तानाजी बर्डे को मुंबई भेजा गया है, और मुंबई की एसीपी प्रिया पाटिल का तबादला कोल्हापुर किया गया है. गृह विभाग की जारी सूची के अनुसार, राज्य के सभी शहरों और जिलों में अधिकारियों को नई जिम्मेदारियां सौंपी गई हैं.

उल्हासनगर में ऑर्केस्ट्रा बार पर पुलिस का छापा

- बार मालिक-प्रबंधक के विरुद्ध अपराध

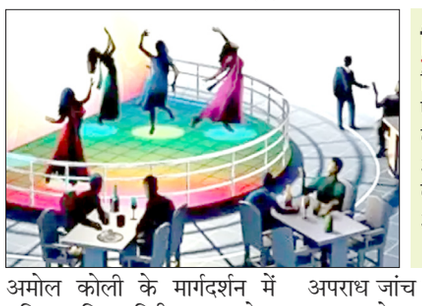

उल्हासनगर. पुलिस ने कैंप नंबर 4 क्षेत्र में विवादास्पद नाइन्टी ऑर्केस्ट्रा बार के खिलाफ आधी रात को कार्रवाई की। बार के मालिक और प्रबंधक पर आरोप लगाया गया कि उन्होंने ऑर्केस्ट्रा में अनुमत 8 महिला गायकों के स्थान पर 12 महिलाओं को प्रस्तुति देने के कारण सरकारी आदेशों का उल्लंघन किया। यह स्टिंग ऑपरेशन पुलिस उपायुक्त सचिन गोरे और सहायक पुलिस आयुक्त अमोल कोली के मार्गदर्शन में वरिष्ठ पुलिस निरीक्षक अशोक कोली की अपराध जांच टीम द्वारा किया गया।

29 जुलाई की रात को विट्ठलवाड़ी पुलिस स्टेशन की अपराध जांच टीम को मिली गुप्त सूचना के आधार पर पुलिस उपनिरीक्षक बंकटस्वामी दराडे, रामदास मिसाल, दिलीप चव्हाण, संतोष सांगले, चंद्रकांत गायकवाड़ और मंगेश वीर ने नाइन्टी बार ऑर्केस्ट्रा पर छापा मारा। निरीक्षण के दौरान पाया गया कि बार में 12 महिलाएं प्रस्तुति दे रही थीं, जबकि बार को 8 महिला गायकों के लिए अनुमति प्राप्त थी। इसलिए, यह स्पष्ट हो गया कि सरकारी शर्तों का उल्लंघन किया जा रहा था। इस मामले में विट्ठलवाड़ी पुलिस स्टेशन में बार मालिक रवि वसीटा और मैनेजर वासुदेव साप के खिलाफ मामला दर्ज किया गया है। इस अपराध के संबंध में पुलिस ने आरोपियों के खिलाफ जांच शुरू कर दी है।

नियमों का उल्लंघन बर्दाश्त नहीं

नियमों का उल्लंघन कभी बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। परमिट शर्तों का उल्लंघन करने वालों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाएगी। उल्हासनगर के सभी बार और ऑर्केस्ट्रा पर लगातार नजर रखी जा रही है और कानून-व्यवस्था को बाधित करने वाली किसी भी गतिविधि की अनुमति नहीं दी जाएगी।

-सचिन गोरे, पुलिस उपायुक्त

सीमेंट कंक्रीट में फंसी कार

उल्हासनगर. नई सीमेंट कंक्रीट सड़क का काम चल रहा है और इसी बीच उसमें एक कार के फंसने की घटना उल्हासनगर में हुई। इसकी सूचना मिलने पर शिवसेना उद्धव बालासाहेब ठाकरे पार्टी के युवा सेना कल्याण के जिला पदाधिकारी भाऊ म्हात्रे मौके पर पहुंचे और सीमेंट में उतरकर व्यापारियों की मदद से कार को बाहर निकाला।

उल्हासनगर कैंप 5 के भाटिया चौक पर सीमेंट कंक्रीट सड़क का काम चल रहा है। रविवार रात करीब साढ़े आठ बजे इस स्थान से गुजर रहे एक कार चालक को काम का पता नहीं चला और उसकी कार कंक्रीट में फंस गई। इससे यातायात जाम हो गया। इस संबंध में एक शुभचिंतक से फोन आने के बाद शिवसेना उद्धव बालासाहेब ठाकरे पार्टी के युवा सेना कल्याण जिला पदाधिकारी भाऊ म्हात्रे और लाल साईं व्यापारी संघ के अध्यक्ष बंटी कुरसीजा मौके पर पहुंचे और नागरिकों की मदद से कार को बाहर निकाला। कार को हटाने के बाद यातायात मार्ग भी साफ हो गया।

उल्हासनगर में आग लगने से 2 फ्लैट खाक

उल्हासनगर. उल्हासनगर के ओटी सेक्शन स्थित अमर पैलेस बिल्डिंग में बुधवार दोपहर आग लग गई। कुछ ही क्षणों में दो फ्लैट आग की चपेट में आ गए। यह संभव है कि दुर्घटना शॉर्ट सर्किट के कारण हुई हो। इसमें कोई हताहत नहीं हुआ। हालाँकि, दोनों फ्लैट पूरी तरह जलकर खाक हो गए.

उल्हासनगर के कैंप नंबर 2 के ओटी सेक्शन क्षेत्र में अमर पैलेस हाउसिंग सोसाइटी के दो फ्लैटों में बुधवार दोपहर भीषण आग लग गई। अचानक उठे धुएं और आग की लपटों से पूरे इलाके में भय का माहौल फैल गया। अनुमान लगाया जा रहा है कि आग शॉर्ट सर्किट के कारण लगी और कुछ ही पलों में आग ने पूरे दो फ्लैटों को अपनी चपेट में ले लिया। फर्नीचर, इलेक्ट्रॉनिक सामान, कपड़े और आभूषण सहित फ्लैटों का पूरा सामान जलकर खाक हो गया। इस घटना में लाखों रुपए का नुकसान हुआ है। घटना की सूचना मिलने पर उल्हासनगर अग्निशमन विभाग की दो गाड़ियां तुरंत मौके पर पहुंचीं।

अग्निशमन दल के जवानों ने आग पर काबू पाने के लिए हर संभव प्रयास किया। करीब एक से डेढ़ घंटे तक चले इस अभियान में आग को अन्य पड़ोसी फ्लैटों तक पहुंचने से पहले ही काबू कर लिया गया। यद्यपि आग में कोई हताहत नहीं हुआ, लेकिन संपत्ति का व्यापक नुकसान हुआ। इस घटना से इमारत के अन्य निवासियों में भय का माहौल पैदा हो गया है।

उल्हासनगर में भारतीय जनता पार्टी का कार्यकर्ता संवाद कार्यक्रम संपन्न

उल्हासनगर. उल्हासनगर भारतीय जनता पार्टी द्वारा कार्यकर्ता संवाद कार्यक्रम का आयोजन किया गया। यह कार्यक्रम उल्हासनगर स्थित भारतीय जनता पार्टी के जिला कार्यालय में आयोजित किया गया। भाजपा महिला मोर्चा की प्रदेश अध्यक्ष चित्राताई वाघ मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित थीं। उनका स्वागत भाजपा जिलाध्यक्ष राजेश वधारिया ने किया.

कार्यक्रम में संगठनों, महिला आंदोलनों और कार्यकर्ताओं की भूमिका पर चर्चा की गई। भाजपा महिला मोर्चा की प्रदेश अध्यक्ष चित्राताई वाघ ने कार्यकर्ताओं का मार्गदर्शन किया और संगठन के लिए सक्रिय रहने का संदेश दिया। इस अवसर पर भाजपा पार्षद, पदाधिकारी, महिला एवं युवा कार्यकर्ता उपस्थित थे। जन संपर्क कार्यक्रम की शुरुआत दीप प्रज्वलन के साथ हुई। प्रदेश महिला अध्यक्ष चित्राताई वाघ ने महिलाओं का मार्गदर्शन करते हुए कहा कि महिलाएं घर-घर जाकर केन्द्र व राज्य सरकार की योजनाओं व उपलब्धियों की जानकारी दें।

इस कार्यक्रम में महापौर मीना कुमार आयलानी, अर्चना करनकाले, जया मखीजा, ज्योति पाटिल, कंचन लुंड, वृषाली शेवाले, लक्ष्मी सिंह, म्हस्के मैडम, लता पगारे, मंगला चंदा सहित कई महिला पदाधिकारी व कार्यकर्ता उपस्थित थीं. यह कार्यक्रम सकारात्मक माहौल में सफलतापूर्वक आयोजित हुआ।

अंबरनाथ पुलिस ने 3 बाइक चोरों को पकड़ा

शहर पश्चिम में एक ही दिन में दो होंडा एक्टिवा चोरी

▶▶ यूसुफ शेख

अंबरनाथ. अंबरनाथ पुलिस ने 3 बाइक चोरों को गिरफ्तार करके उनके पास से 2 बाइक बरामद की है, जिसकी कीमत 1 लाख रुपए बताई गई है. चोरों को पकड़ने के लिए पुलिस ने अनेक स्थानों पर जाकर 60 सीसीटीवी खंगालने के बाद शहर पूर्व से हितेश मालविया को पकड़ा है. बाद में उसके दो साथियों को गिरफ्तार किया है. ऐसी जानकारी पत्रकारो को वरिष्ठ पुलिस निरीक्षक शब्बीर सय्यद ने दी है. शहर पश्चिम में बाइक चोरों का आतंक बढ़ गया है. दो दिनों पूर्व साउथ इंडियन स्कूल के समक्ष गीता अपार्टमेंट से सुरेश दगडू जाधव की पार्किंग में से होंडा एक्टिवा (क्र. एमएच 05 सीएक्स 3990) ग्रे कलर की बाइक एवं कमलाकर नगर निवासी राजेंद्र सुभाष सोनी ने लक्ष्मी मेडिकल के पास अपनी ब्लू कलर की होंडा एक्टिवा (क्र. एमएच 05 डीबी 3012) जो उनके पितना के नाम पर है, को अज्ञात चोर ने चोरी कर लिया. दोनों बाइक 28 और 29 जुलाई के बीच दोपहर 12 बजे से रात 10 बजे से सुबह 6 बजे के बीच चोरी हुई है.

सहायक पुलिस निरीक्षक सुभाष पानसरे मामले की जांच कर रहे हैं. शहर में बढ़ती बाइक चोरी से दो पहिया वाहन मालिकों में हड़कम्प मच गया है.

अंबरनाथ में 50 बरामद मोबाइल फोन लौटाए गए

अंबरनाथ. अंबरनाथ पूर्व में शिवाजीनगर पुलिस ने केंद्र सरकार के दूरसंचार विभाग के पोर्टल का प्रभावी ढंग से उपयोग करके 50 खोए और चोरी हुए मोबाइल हैंडसेटों का पता लगाया और उन्हें उनके मूल मालिकों को लौटाया। इस सफलता से क्षेत्र के निवासियों में संतुष्टि है।

कई नागरिक अपने मोबाइल फोन खो जाने या चोरी हो जाने पर शिवाजीनगर पुलिस स्टेशन में शिकायत दर्ज करा रहे थे। इन शिकायतों पर ध्यान देते हुए अतिरिक्त पुलिस आयुक्त संजय जाधव, पुलिस उपायुक्त सचिन गोरे और सहायक पुलिस आयुक्त शैलेश काले के मार्गदर्शन में यह विशेष अभियान चलाया गया। शिवाजीनगर पुलिस स्टेशन के वरिष्ठ पुलिस निरीक्षक रमेश पाटिल, साथ ही पुलिस कांस्टेबल वालुन, पुलिस कांस्टेबल गायकर और पुलिस कांस्टेबल अरोटे ने ये सभी शिकायतें पोर्टल पर दर्ज की थीं। जब इस खोए हुए मोबाइल फोन में नया सिम कार्ड डालकर उसे उपयोग करने का प्रयास किया गया।

पुलिस ने मोबाइल फोन का उपयोग करने वाले व्यक्तियों की तलाश की और कानूनी तौर पर उनके हैंडसेट जब्त कर लिए। जब्त किए गए इन 50 मोबाइल फोनों की कुल कीमत लगभग 7 लाख 45 हजार 340 रुपए है.

ग्रीन मार्शल के खिलाफ व्यापारियों का विरोध प्रदर्शन

- उल्हासनगर में नए नियमों की मांग

उल्हासनगर. उल्हासनगर में प्लास्टिक बैग के नाम पर व्यापारियों को परेशान किए जाने की शिकायत के बाद एक महत्वपूर्ण बैठक आयोजित की गई। इस दौरान ग्रीन मार्शल के मनमाने आचरण पर चर्चा की गई तथा व्यापारियों की सुरक्षा के लिए ठोस उपाय बताए गए।

व्यापारियों ने शिकायतें की हैं कि शहर की सफाई व्यवस्था की देखरेख के लिए नियुक्त ग्रीन मार्शल अपनी मूल जिम्मेदारी भूलकर बैग के नाम पर व्यापारियों से पैसा वसूलने में व्यस्त हैं। इस पृष्ठभूमि में व्यापारियों के प्रतिनिधियों और उल्हासनगर मनपा के अधिकारियों के बीच एक विशेष बैठक आयोजित की गई। इस बैठक में अतिरिक्त मनपा आयुक्त किशोर गवस, नोडल अधिकारी गणेश शिम्पी, उल्हासनगर दुकानदार संघ के अध्यक्ष दीपक चटलानी, पूर्व नगरसेवक जमनु पुरसवानी और शहर के विभिन्न व्यापारी बड़ी संख्या में उपस्थित थे।

इस बैठक में व्यापारियों ने ग्रीन मार्शल की मनमानी के खिलाफ नाराजगी जताई। कुछ व्यापारियों ने वीडियो क्लिप प्रस्तुत कर बताया कि ग्रीन मार्शल दुकानों में घुसकर नागरिकों को जबरन दोषी ठहरा रहे थे। वे 1,000 रुपये लेते हैं लेकिन रसीद केवल 500 रुपये की देते हैं। इससे छोटे व्यापारियों में डर का माहौल पैदा हो गया है।

विधायक कुमार आयलानी ने इस पर नाराजगी जताई और स्पष्ट निर्देश दिए कि, 'ग्रीन मार्शल का उद्देश्य व्यापारियों को परेशान करना नहीं, बल्कि अवैध प्लास्टिक निर्माताओं और स्टॉकिस्टों के खिलाफ कार्रवाई करना होना चाहिए।' जिन लोगों को प्लास्टिक के बारे में सही जानकारी नहीं है, उन्हें मार्शल नियुक्त करना गलत है। इस दौरान उन्होंने अधिकारियों को नियमों को स्पष्ट करने के निर्देश दिए ताकि व्यापारियों को असुविधा न हो। बिना कारण किसी भी दुकान में प्रवेश न करें और धौंस न जमाएं। साथ ही, दुकानदारों को सही माइक्रोन बैग के नमूने भी दिए जाने चाहिए।

इस बैठक का उद्देश्य यह सुनिश्चित करना है कि सभी हितधारक नियमों को समझें और एक ठोस समाधान पर पहुंचें। यह बैठक व्यापारियों के लिए राहत भरी रही है और एक बार फिर साबित कर दिया है कि नगर निगम प्रशासन में पारदर्शिता और न्याय सुनिश्चित करने के लिए राजनीतिक पहल महत्वपूर्ण है।

शिवसैनिकों का विरोधियों पर जोरदार हमला

▶▶ उल्हास विकास संवाददाता

अंबरनाथ. अंबरनाथ के शिवसैनिक विकास सोमेश्वर ने विरोधकों पर जोरदार शब्दों में हमला किया है. गत दिनों विरोधकों ने कहा था कि नगर परिषद पर मोर्चा लेकर नपा अधिकारियों को टॉयलेट का केक और कुंभकर्ण की नींद में ऐसा उदाहरण देने के बाद भी ऐसे लोगों को नप कार्यालय में एंट्री देकर उन्हें कामों की फाइल क्यों दी जाती है. ये उनका धंधा बन गया है. विकास का नाम लिए बिना ही उन्हें ऐसा कहा गया था. इसके उत्तर में विकास सोमेश्वर ने पत्रकारों को बयान दिया है कि आरोप करने वालों ने 1990 और 92 में उन्होंने क्या किया है. स्वतः का इतिहास देखकर आरोप लगाएं. उन्होंने कहा कि विरोधक ये भी बताएं कि उन्होंने नगर परिषद से कितने और कब विकास कामों की फाइल ली है. बयान देते समय उनके साथ युवा सेना शहर अधिकारी राहुल सोमेश्वर, पूर्व नगरसेवक लेनिन मुक्कू, पवन वालेकर, प्रकाश वालुंज आदि उपस्थित थे. विकास ने ये भी कहा है कि वह जनता के लिए उनकी समस्याओं को लेकर वह आंदोलन करते हैं तो विरोधकों के पेट में दर्द क्यों होता है. विकास का इस तरह का तीखा बयान आने पर और उनका वीडियो वायरल होने पर शहर में चर्चा का दौर शुरू हो गया है.

जैसे पके हुए फलों को गिरने के सिवा कोई भय नहीं वैसे ही पैदा हुए मनुष्य को मृत्यु के सिवा कोई भय नहीं. – वाल्मीकि

उल्हास विकास

संपादकीय

बाघों के लिए छोटे पड़ रहे जंगल

देश भर के जंगलों में जिस तरह से अतिक्रमण और खनन के साथ मानवीय हस्तक्षेप बढ़ा है, उससे बाघों का सुरक्षित पर्यावास खतरे में है। वनों की लगातार कटाई ने उनके लिए आहर की चुनौतियां भी बढ़ा दी हैं। जंगलों के भीतर सड़कों के निर्माण और कोलाहल बढ़ने से प्राकृतिक माहौल का संतुलन बिगड़ा है। नतीजा यह कि अब बाघ जंगलों से बाहर निकल रहे हैं। भोजन-पानी की तलाश में भटकते ये वन्य जीव मनुष्यों के लिए तो खतरा बने ही हैं, साथ ही उनके जीवन पर भी संकट बढ़ रहा है।

पिछले कुछ वर्षों में मनुष्यों और वन्य जीवों के बीच संघर्ष की घटनाओं में इजाफा हुआ है। राष्ट्रीय बाघ संरक्षण प्राधिकरण की ओर से जारी रपट भी इस ओर इशारा करती है, जिसमें कहा गया है कि वर्ष 2021 से 2025 के दौरान देश भर में 667 बाघों की मौत हुई है। इनमें से 341 बाघों की मौत अभयारण्यों से बाहर हुई है। इस रपट ने अभयारण्यों की देखरेख में बरती जा रही लापरवाही को भी उजागर किया है।

सवाल है कि अभयारण्यों में आवाजाही के लिए बने गलियारों से बाघ और तेंदुए गांवों एवं शहरों तक कैसे पहुंच जाते हैं? क्या उनके लिए जंगल छोटे पड़ रहे हैं। क्या बाघों की निगरानी के लिए अब तक मजबूत तंत्र नहीं बन पाया है? अगर कहीं बाड़बंदी नहीं है और बाघ निर्धारित दायरे से बाहर निकलते हैं, तो समय रहते ऐसी घटनाओं का पता क्यों नहीं लगाया जाता। ड्रोन जैसी आधुनिक तकनीक के बावजूद बाघों की नियमित निगरानी क्यों संभव नहीं हो पा रही है।

एक सवाल यह भी उठ रहा है कि क्या जंगलों में बाघों के लिए भोजन का अभाव है? मध्य प्रदेश में दो दशकों में जिस तरह वनों की कटाई हुई है, उसका परिणाम सामने हैं। यहां चार वर्ष के भीतर अभयारण्यों से बाहर निकले नब्बे बाघों की मौत कोई साधारण घटना नहीं है। शासन व प्रशासन को बाघों की संख्या बढ़ाने के साथ-साथ उनकी सुरक्षा पर भी ध्यान देना होगा। यह सब आधी-अधूरी योजनाओं से नहीं, बल्कि नवोन्मेषी उपायों से ही संभव हो पाएगा।

दुष्कर्म का अपराध बन रहा मजाक

आठ साल पहले एक इंटरनेट मीडिया प्लेटफार्म पर दो बच्चों की मां बबली एक युवक बंटी (बदले हुए नाम) से बात शुरू करती है। जल्द ही यह बातचीत प्यार में बदल जाती है और दोनों कई बार होटल, लाज या कहीं भी मिलते हैं। शारीरिक संबंध बनते हैं। बबली को न अपने पति की कोई चिंता रहती है और न ही बच्चों की। पढ़ी-लिखी महिला अपनी मर्जी से, सोच-समझकर वर्षों शारीरिक संबंध बनाती है।

धीरे-धीरे प्यार इतना परवान चढ़ता है कि दोनों शादी करने का सोचते हैं। बबली कई वर्षों तक पति को धोखा देने के बाद उससे तलाक ले लेती है, पर इस मोड़ तक आते-आते बंटी बदल जाता है और शादी करने से मना कर देता है। ऐसी कहानी आपने बहुत बार सुनी होगी।

आगे जो बबली करती है, वह नई कहानी है। यह कहानी है दुष्कर्म जैसे गंभीर अपराध का मजाक उड़ाने, यौन शोषण के नाम पर बदला लेने और सहमति से सैकड़ों बार बने शारीरिक संबंधों को अपराध का चोला पहनाने की।

सालों तक सहमति से बने संबंधों के बाद बबली ने बंटी पर दुष्कर्म का मुकदमा यह कहते हुए कर दिया कि वह इतने वर्षों से उसे शादी का झांसा दे रहा था। न कोई सुबूत, न जांच। बंटी पर दुष्कर्म जैसे संगीन अपराध का मुकदमा दायर हो गया। ऐसे मामलों में पुरुष कितना भी बेकसूर हो, पुलिस उसे तुरंत गिरफ्तार कर लेती है।

बंटी ने गिरफ्तारी के डर से हाई कोर्ट से अग्रिम जमानत ले ली। इस पर बबली सुप्रीम कोर्ट चली गई, ताकि बंटी की अग्रिम जमानत

खारिज करा सके, लेकिन शायद पहली बार सुप्रीम कोर्ट ने यह कड़वा सच कहा कि अगर सहमति नहीं थी तो बबली को इतनी बार बंटी के साथ होटल जाने की क्या जरूरत थी? उसकी यह टिप्पणी चर्चा का विषय बनी।

दो बच्चों की मां बबली को सुप्रीम कोर्ट ने फटकार लगाते हुए कहा कि शादीशुदा होते हुए गैर मर्द के साथ संबंध बनाने के लिए उस पर भी कानूनी कार्रवाई हो सकती है। इस मामले को कोई आम इंसान भी फर्जी बता देगा, लेकिन बंटी ने लंबे समय तक इस मुकदमे के साथ मानसिक प्रताड़ना और बदनामी का सामना किया।

इसलिए किया, क्योंकि एक महिला ने कहा कि शादी का झांसा देकर उससे दुष्कर्म हुआ है। यह इकलौता मामला नहीं है। भारत में इस समय ऐसे हजारों मुकदमे हैं। युवतियां-महिलाएं एक साल, दो, पांच, दस साल तक सहमति से बनाए संबंधों के बाद भी झूठा आरोप लगाते हुए दुष्कर्म के मुकदमे करा रही हैं।

आज जब महिलाएं अंतरिक्ष जा रही हैं, प्लेन उड़ा रही हैं, तब कई पढ़ी-लिखी महिलाएं किसी से भी शारीरिक संबंध बना रही हैं और बाद में कह रही हैं कि उनकी सहमति नहीं थी, उनसे शादी का झूठा वादा किया गया। विंडबना यह कि पुलिस, समाज और अक्सर अदालतें भी उन पर यकीन कर रही हैं। एक तरफ युवतियां माई बाडी-माई च्वाइस की बात कर रही हैं, शादी के बाहर या बिना विवाह संबंध बना रही हैं और दूसरी तरफ पुरुष शादी न करे तो उसे दुष्कर्मी कह रही हैं। यह कैसा दोहरा चरित्र है?

राष्ट्रीय अपराध रिकार्ड ब्यूरो के आंकड़ों को देखें तो शादी का कथित झांसा देकर दुष्कर्म के मामले वर्ष 2015 में कुल दुष्कर्म के मामलों के 21 प्रतिशत थे, पर 2021 तक यह आंकड़ा 51 प्रतिशत तक पहुंच गया। साफ है कि दुष्कर्म के मुकदमों में लगभग आधे ऐसे हैं, जिनमें महिला ने पहले सहमति से संबंध बनाए और फिर कहा कि सहमति तो शादी के लिए दी थी। इस तर्क से तो यदि कोई शादीशुदा व्यक्ति तलाक मांगता है तो उसे भी दुष्कर्मी बोला जा सकता है, क्योंकि महिला कह सकती है कि उसकी सहमति हमेशा साथ रहने की थी।

भारत के अलावा किसी अन्य बड़े लोकतांत्रिक देश में शादी का झांसा जैसी अवधारणा नहीं है और न ही पुरुषों को ब्रेकअप करने की वजह से जेल भेजा जाता है। हाल में क्रिकेटर यश दयाल को ऐसे ही मामले में इलाहाबाद हाई कोर्ट से अग्रिम जमानत मिली।

जज ने पूछा, कोई महिला पांच साल तक शादी के झांसे में कैसे रह सकती है? जहां कुछ जज ये प्रश्न कर रहे हैं, वहीं दुष्कर्म संबंधी कानून का दुरुपयोग चरम पर पहुंच गया है। अब ऐसे भी मामले सामने आ रहे हैं, जहां एक ही महिला ने अलग-अलग पुरुषों पर चार-छह-दस मुकदमे करा दिए कि सबने शादी का झांसा देकर उसका शोषण किया। ऐसे मामलों में पुलिस ने सच जानने के बाद भी मुकदमे दर्ज किए और पुरुषों को जेल भेजा।

हम चाहे इसे पहचानें या नहीं,
लेकिन प्रभु ही वो धागा हैं जो हमारे
जीवन की बुनाई में पिरोए हुए हैं।

- संत राजिन्दर सिंह जी महाराज

स्थान - सावन कृपाल रूहानी मिशन, सावन आश्रम, परम संत कृपाल सिंह जी महाराज चौक, खेमानी रोड, उल्हासनगर-२

देखें सत्संग आस्था चैनल पर हर रोज़ सोम - शनि सुबह ८.२० से ८.४० तक

पाकिस्तान की सच्चाई आ रही सामने

अमेरिका की ओर से 'द रेजिस्टेंस फ्रंट' (टीआरएफ) को वैश्विक आतंकी संगठन घोषित किए जाने के बाद अब संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद की एक ताजा रपट ने इस तथ्य की सत्यता के आधार को और मजबूत कर दिया है। सुरक्षा परिषद की किसी रपट में पहली बार टीआरएफ का जिक्र किया गया है और साथ ही इस बात को भी माना है कि यह आतंकी संगठन लश्कर-ए-तैयबा का ही एक मुखौटा है। इससे न केवल आतंक के खिलाफ लड़ाई में वैश्विक स्तर पर भारत के प्रयासों को बल मिला है, बल्कि पाकिस्तान एक बार फिर दुनिया के सामने बेनकाब हुआ है।

यह इसलिए महत्त्वपूर्ण है, क्योंकि पहलगाम हमले को अंजाम देने वाला आतंकी संगठन टीआरएफ ही था और उसने बाकायदा इसकी जिम्मेदारी भी ली थी। हालांकि, भारत-पाकिस्तान के बीच तनाव बढ़ने के बाद उसने किसी खास रणनीति के तहत अपना बयान वापस ले लिया था। सुरक्षा परिषद के इस कदम को भारत की कूटनीतिक सफलता के रूप में देखा जा रहा है। विदेश मंत्री एस जयशंकर ने कहा कि भारत ने टीआरफ के नापाक मंसूबों को दुनिया के सामने उजागर किया था और अब सुरक्षा परिषद ने भी इस आतंकी संगठन को चिह्नित कर दिया है।

संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद ने

पहलगाम हमले के बाद एक बयान जारी कर कहा था कि ऐसे घृणित आतंकवादी कृत्य के लिए जिम्मेदार अपराधियों, साजिशकर्ताओं, वित्तपोषकों और प्रायोजकों को न्याय के कठघरे में लाना जरूरी है। हालांकि, पाकिस्तान के दखल के कारण उस बयान में टीआरएफ का जिक्र नहीं किया गया था। पाकिस्तान के विदेश मंत्री इशाक डार ने तब अपनी संसद में खुद यह दावा किया था कि उन्होंने सुरक्षा परिषद के बयान से टीआरएफ का नाम हटवा दिया है।

दरअसल, पाकिस्तान की पहले से यह रणनीति रही है कि उसकी धरती पर फैल रहे आतंक के वृक्ष को वैश्विक स्तर पर चिह्नित नहीं होने दिया जाए। अब सुरक्षा परिषद की इस रपट में टीआरएफ का नाम आना यह साबित करता है कि अंतरराष्ट्रीय स्तर पर पाकिस्तान की सच्चाई सामने आ रही है। साथ ही यह इस बात का भी संकेत है कि दुनिया आतंकवाद को लेकर पाकिस्तान के दावों को किस नजरिए से देखती है।

रपट में एक देश के उन दावों को भी खारिज कर दिया गया है कि लश्कर-ए-तैयबा निष्क्रिय हो चुका है। माना जा रहा है कि वह देश संभवतः पाकिस्तान ही है, क्योंकि यह बात छिपी नहीं है कि लश्कर-ए-तैयबा उसकी धरती पर ही फल-फूल रहा है। रपट में साफ कहा गया है कि पहलगाम आतंकी हमला लश्कर-ए-तैयबा के समर्थन के बिना संभव नहीं था और टीआरएफ तथा लश्कर-ए-तैयबा के बीच गहरे संबंध हैं।

आतंकवाद अब वैश्विक संकट बन चुका है

इस सब के बीच सवाल यह भी है कि क्या किसी आतंकी संगठन को वैश्विक स्तर पर चिह्नित कर देने से आतंकवाद पर अंकुश लग जाएगा? जाहिर है, इसके लिए संयुक्त प्रयासों को धरातल पर उतरना होगा और आतंकियों की पहचान कर उनके खिलाफ कड़ी कार्रवाई करनी होगी। इसमें दोराय नहीं कि आतंकवाद अब वैश्विक संकट बन चुका है और इससे निपटने के लिए उसकी जड़ों पर प्रहार करना जरूरी है। यह तभी संभव होगा, जब आतंकियों के साथ-साथ उनके वित्तपोषकों और प्रायोजकों को भी न्याय के कठघरे में लाया जाएगा।

जोधपुर में स्कूटी की 'समाधि' बना चर्चा का विषय

जरा हट के

जोधपुर में एक शख्स ने इलेक्ट्रिक वाहन खरीदा था. जब इलेक्ट्रिक वाहन खराब हो गया और बार-बार इलेक्ट्रिक कंपनी के चक्कर लगाने के बाद भी उसका समाधान नहीं हुआ. आखिरकार परेशान होकर उस व्यक्ति ने एक बडी कब्र खोदकर उसी में की स्कूटी की समाधी बनाने का निर्णय ले लिया.

देशभर में यह पहला ऐसा मामला होगा जब किसी व्यक्ति का इस तरह का गुस्सा देखने को मिला. आज तक कई ऐसे मामले आए, जिसमें लोगों ने अपनी गाड़ी को बीच सड़क पर तोड दी है या फिर आग के हवाले कर दिया. मगर पहली बार इस तरह का गुस्सा देखने को मिला कि गांधीवादी तरीके से ही बिना कोई शोर-शराबा किए इस व्यक्ति ने अपने घर के बाहर ही वाहन को दफनाने के लिए गड्ढा खोद डाला.

सोशल मीडिया पर वायरल वीडियो हो रहे वीडियो में यह

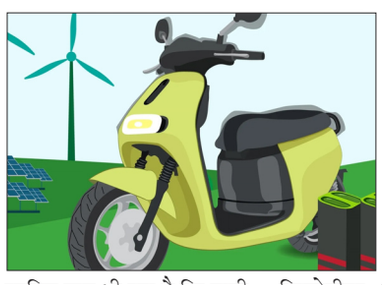

व्यक्ति कह भी रहा है कि गाड़ी लिए केवल कुछ ही महीने हुए हैं, मगर कुछ महीनो में ही गाड़ी की यह हालत बन गई. जब कंपनी में गया तो वहां दो महीने बाद ठीक करवाने की तारीख दे रहे हैं. आखिर कार परेशान होकर यह कदम उठा लिया. वीडियो में पीड़ित ने बताया कि एक इलेक्ट्रिक गाड़ी ली थी. इसे मुश्किल से 2000 किलोमीटर भी नहीं चलाया. कुल 1726 किलोमीटर ही चला पाया और तब से यह गाड़ी इतनी खराब हो रही है कि अब हद हो गई है.

कंपनी में शिकायत लेकर जाते हैं तो जवाब मिलता है कि रिपेयर में दो से तीन महीने लगेंगे. अगर बैटरी खराब हुई तो उसे बैंगलोर भेजना पड़ेगा. गाड़ी रास्ते में बार-बार बंद हो जाती है, और कोई समाधान नहीं मिलता है. कंपनी को फोन करो तो कहते हैं कि सर्विस सेंटर से बात करो, और सर्विस सेंटर वाले कहते हैं पाट्र्स नहीं हैं, इंतज़ार करो. अब इस गाड़ी से इतना परेशान हो चुके हैं कि घर के बाहर सात फीट का गड्ढा खुदवा दिया है. उसी में इस गाड़ी को डाल कर ऊपर से मिट्टी डाल दूंगा.

खाना-खजाना

लहसुन-टमाटर की चटनी

टमाटर-लहसुन की चटनी एक स्वादिष्ट और आसानी से बनने वाली चटनी है, जो कई डिशेज के साथ परफेक्टली मैच करती है। यह चटनी न केवल स्वाद में तीखी और मसालेदार होती है, बल्कि इसमें लहसुन का तड़का इसे और भी खास बना देता है। इसे डोसा, इडली, समोसा, पकौड़े या फिर चावल-रोटी के साथ खा सकते हैं। आइए जानते हैं कि टमाटर-लहसुन की चटनी को कैसे बनाया जाता है।

सामग्री :

4-5 पके हुए टमाटर
8-10 लहसुन की कलियां
2-3 सूखी लाल मिर्च
1 छोटा चम्मच राई
1/2 छोटा चम्मच हल्दी पाउडर
1/2 छोटा चम्मच जीरा
1 चुटकी हींग
1 चम्मच तेल
नमक स्वादानुसार
थोड़ा सा गुड़ या चीनी
ताजा धनिया पत्ती

विधि :

सबसे पहले टमाटर को धोकर बारीक काट लें और लहसुन की कलियों को भी छीलकर पीस लें या बारीक काट लें। अब एक कड़ाही या पैन में तेल गर्म करें। जब तेल गर्म हो जाए, तो इसमें राई और जीरा डालें। जब ये चटकने लगें, तो इसमें एक चुटकी हींग डालें। अब सूखी लाल मिर्च और लहसुन डालकर हल्का सा भूनें। ध्यान रखें कि लहसुन जले नहीं। इसके बाद तड़के में कटे हुए टमाटर डालें और अच्छी तरह मिलाएं। अब हल्दी पाउडर और नमक डालकर टमाटर को मध्यम आंच पर पकने दें। इसे तब तक चलाते रहें, जब तक टमाटर के पूरी तरह गल न जाएं। जब टमाटर पूरी तरह पक जाएं और गाढ़ा हो जाए, तो गैस बंद कर दें। मिक्सचर को ठंडा होने दें, फिर इसे मिक्सर में पीस लें। अगर आपको थोड़ा मीठा स्वाद चाहिए, तो पीसते समय थोड़ा गुड़ या चीनी मिला सकते हैं। अब चटनी को एक बाउल में निकालें और ऊपर से ताजा धनिया पत्ती से गार्निश करें। आपकी टमाटर-लहसुन की चटनी तैयार है! इसे डोसा, इडली या पराठे के साथ गर्मागर्म सर्व करें।

हर दिन सिर्फ 2 केले खाने से हो सकते 5 बड़े बदलाव!

क्या आपने कभी सोचा है कि रोजमर्रा की भागदौड़ में आसानी से मिल जाने वाला यह पीला-सा फल आपकी सेहत के लिए कितना कुछ कर सकता है? यकीन मानिए, सिर्फ दो केले हर दिन खाना आपके शरीर में ऐसे गजब के बदलाव ला सकता है, जिनकी आपने कल्पना भी नहीं की होगी! रेगुलर इसे खाने से आप न सिर्फ एनर्जी से भरपूर महसूस करेंगे, बल्कि कई बीमारियों को भी खुद से दूर रख पाएंगे। आइए, बिना देर किए जानते हैं उन 5 बड़े बदलावों के बारे में, जो रोजाना 2 केले खाने से आपके शरीर में हो सकते हैं और जो आपको इसे अपनी आदत बनाने पर मजबूर कर देंगे।

■ एनर्जी लेवल होगा बूस्ट

क्या आपको अक्सर दिनभर थकान महसूस होती है? केला आपके लिए नेचुरल एनर्जी बूस्टर का काम कर सकता है। इसमें नेचुरल शुगर (ग्लूकोज, फ्रुक्टोज और सुक्रोज) के साथ-साथ फाइबर भी होता है, जो एनर्जी को धीरे-धीरे रिलीज करता है। इससे आपको तुरंत ऊर्जा मिलती है और यह लंबे समय तक बनी रहती है। एक्सरसाइज से पहले या बाद में दो केले खाने से आप अपनी एनर्जी लेवल में शानदार बढ़ोतरी महसूस करेंगे।

■ कब्ज से मिलेगी मिलेगी राहत

केले में भरपूर मात्रा में फाइबर होता है, खासकर रेसिस्टेंट स्टार्च, जो डाइजेशन को हेल्दी रखने में मदद करता है। यह मल को नरम

बनाता है और गट की मूवमेंट को रेगुलर करता है, जिससे कब्ज की समस्या दूर होती है। ऐसे में, अगर आप नियमित रूप से कब्ज से परेशान रहते हैं, तो दो केले अपनी रोजाना की डाइट में शामिल करके फर्क खुद देख सकते हैं।

■ ब्लड प्रेशर रहेगा कंट्रोल

हाई ब्लड प्रेशर आज एक आम समस्या बन गई है, जिससे हार्ट डिजीज का खतरा बढ़ जाता है। केला पोटेशियम का एक बेस्ट सोर्स है। पोटेशियम शरीर में सोडियम के नकारात्मक प्रभावों को संतुलित करने में मदद करता है, जिससे ब्लड प्रेशर कंट्रोल रहता है। रोजाना दो केले खाने से आप अपने हार्ट को हेल्दी रख सकते हैं और स्ट्रोक के खतरे को कम कर सकते हैं।

■ दूर होगा स्ट्रेस

अगर आपको अक्सर मूड स्विंग्स होते हैं या आप तनाव महसूस करते हैं, तो केले आपकी मदद कर सकते हैं। केले में ट्रिप्टोफैन नामक एमिनो एसिड होता है, जो शरीर में सेरोटोनिन में बदल जाता है। सेरोटोनिन को ख़ुशी का हार्मोन भी कहा जाता है, क्योंकि यह मूड को बेहतर बनाने और तनाव व चिंता को कम करने में मददगार होता है।

■ मांसपेशियों की ऐंठन होगी दूर

खासकर वर्कआउट करने वालों के लिए केला बेहद फायदेमंद है। केले में मौजूद पोटेशियम और मैग्नीशियम मांसपेशियों के सही फंक्शनिंग के लिए जरूरी होते हैं। ये इलेक्ट्रोलाइट्स मांसपेशियों की ऐंठन को रोकने और कसरत के बाद होने वाले दर्द को कम करने में मदद करते हैं। अगर आप अक्सर – मांसपेशियों की ऐंठन से परेशान रहते हैं, तो अपनी डाइट में केले को जरूर शामिल करें।

आज का राशिफल

मेष : पुराना रोग उभर सकता है। योजना फलीभूत होगी। कार्यस्थल पर परिवर्तन संभव है। विरोधी सक्रिय रहेंगे। सामाजिक प्रतिष्ठा बढ़ेगी। मित्रों की सहायता कर पाएंगे। आय में वृद्धि होगी। शेयर मार्केट से लाभ होगा। नौकरी में प्रभाव वृद्धि होगी। व्यापार-व्यवसाय लाभदायक रहेगा। सुख-शांति रहेगी।

वृषभ : व्यवसाय में ध्यान देना पड़ेगा। व्यर्थ समय न गंवाएं। पूजा-पाठ में मन लगेगा। कानूनी अड़चन दूर होगी। जल्दबाजी से हानि संभव है। थकान रहेगी। कुसंगति से बचें। निवेश शुभ रहेगा। पारिवारिक सहयोग प्राप्त होगा। लाभ के अवसर हाथ आएंगे। दूसरों के काम में हस्तक्षेप न करें।

मिथुन : घर-परिवार के किसी सदस्य के स्वास्थ्य की चिंता रहेगी। वाणी पर नियंत्रण रखें। चोट व दुर्घटना से बड़ी हानि हो सकती है। लेन-देन में जल्दबाजी न करें। फालतू खर्च होगा। विवाद को बढ़ावा न दें। अपेक्षाकृत कार्यों में विलंब होगा। चिंता तथा तनाव रहेंगे। आय में निश्चितता रहेगी।

कर्क : कानूनी अड़चन दूर होकर लाभ की स्थिति निर्मित होगी। प्रेम-प्रसंग में जोखिम न लें। व्यापार में लाभ होगा। नौकरी में प्रभाव बढ़ेगा। निवेश में सोच-समझकर हाथ डालें। शत्रु पस्त होंगे। विवाद में न पड़ें। अपेक्षाकृत कार्य समय पर होंगे। प्रसन्नता रहेगी। भाग्य का साथ मिलेगा। व्यस्तता रहेगी।

सिंह : बेरोजगारी दूर करने के प्रयास सफल रहेंगे। परीक्षा व साक्षात्कार आदि में सफलता प्राप्त होगी। स्थायी संपत्ति से बड़ा लाभ हो सकता है। समय पर कर्ज चुका पाएंगे। नौकरी में अधिकारी प्रसन्न तथा संतुष्ट रहेंगे। निवेश शुभ फल देगा। किसी सदस्य के स्वास्थ्य की चिंता रहेगी.

कन्या : पार्टी व पिकनिक का आनंद मिलेगा। रचनात्मक कार्य सफल रहेंगे। मनपसंद भोजन का आनंद प्राप्त होगा। व्यापार-व्यवसाय लाभप्रद रहेगा। समय की अनुकूलता का लाभ मिलेगा। व्यस्तता के चलते स्वास्थ्य कमजोर रह सकता है। दूसरों के झगड़ों में न पड़ें। अपने काम पर ध्यान दें।

तुला : दूर से बुरी खबर मिल सकती है। दौड़धूप अधिक होगी। बेवजह तनाव रहेगा। किसी व्यक्ति से कहासुनी हो सकती है। फालतू बातों पर ध्यान न दें। मेहनत अधिक व लाभ कम होगा। किसी व्यक्ति के उकसाने में न आएं। शत्रुओं की पराजय होगी। व्यापार-व्यवसाय लाभदायक रहेगा।

वृश्चिक : कीमती वस्तुएं संभालकर रखें। स्वास्थ्य का पाया कमजोर रहेगा। चिंता बनी रहेगी। जीवनसाथी से सहयोग मिलेगा। मेहनत का फल मिलेगा। कार्यसिद्धि होगी। निवेश लाभदायक रहेगा। व्यापार-व्यवसाय में मनोनुकूल लाभ होगा। सामाजिक प्रतिष्ठा बढ़ेगी। निवेश शुभ रहेगा।

धनु : उत्साहवर्धक सूचना प्राप्त होगी। भूले-बिसरे साथियों से मुलाकात होगी। विरोधी सक्रिय रहेंगे। जल्दबाजी में कोई निर्णय न लें। बड़ा काम करने का मन बनेगा। झंझटों से दूर रहें। कानूनी अड़चन का सामना करना पड़ सकता है। फालतू खर्च होगा। व्यापार मनोनुकूल लाभ देगा।

मकर : नवीन वस्त्राभूषण की प्राप्ति संभव है। यात्रा लाभदायक रहेगी। बेरोजगारी दूर करने के प्रयास सफल रहेंगे। कारोबारी बड़े सौदे बड़ा लाभ दे सकते हैं। निवेश में सोच-समझकर हाथ डालें। आशंका-कुशंका रहेगी। पुराना रोग उभर सकता है। लापरवाही न करें। कीमती वस्तुएं संभालकर रखें।

कुंभ : फालतू खर्च पर नियंत्रण रखें। बजट बिगड़ेगा। कर्ज लेना पड़ सकता है। शारीरिक कष्ट से बाधा उत्पन्न होगी। लेन-देन में सावधानी रखें। अपरिचित व्यक्तियों पर अंधविश्वास न करें। वाणी में हल्के शब्दों के प्रयोग से बचें। व्यापार-व्यवसाय लाभदायक रहेगा। संतुष्टि नहीं होगी।

मीन : यात्रा लाभदायक रहेगी। डूबी हुई रकम प्राप्त हो सकती है, प्रयास करें। उन्नति के मार्ग प्रशस्त होंगे। शेयर मार्केट से बड़ा लाभ हो सकता है। संचित कोष में वृद्धि होगी। नौकरी में प्रभाव बढ़ेगा। कारोबारी सौदे बड़े हो सकते हैं। व्यस्तता के चलते स्वास्थ्य प्रभावित होगा, सावधानी रखें।

-ज्योतिषाचार्य पंडित अतुल शास्त्री

क्या रोज दही खाना पड़ सकता है सेहत पर भारी?

■ 5 फैक्ट्स दूर कर देंगे आपका कन्फ्यूजन

सुबह का नाश्ता हो या दोपहर का खाना, दही हमारी थाली का एक ऐसा हिस्सा है, जिसके बिना कई लोगों को अधूरा-सा लगता है। प्रोटीन, कैल्शियम और प्रोबायोटिक्स से भरपूर यह सुपरफूड सेहत के लिए वरदान माना जाता है, लेकिन क्या आपने कभी सोचा है कि जिस दही को आप बेफिक्र होकर रोज खा रहे हैं, कहीं वो आपकी सेहत पर उल्टा असर तो नहीं डाल रहा

कभी मन में ख्याल आया है कि क्या रोजाना इसे खाने से फायदे की जगह नुकसान भी हो सकता है? आइए जानते हैं 5 ऐसे चौंकाने वाले फैक्ट्स जो दही को लेकर आपके सारे कन्फ्यूजन दूर कर देंगे और आपको बताएंगे कि कब, किस तरह और कितना दही आपकी सेहत के लिए सही है।

■ ज्यादा दही से बढ़ सकता है वजन

जी हां, अगर आप सोचते हैं कि दही हमेशा वजन कम करने में मदद करती है, तो यह पूरी तरह सच

नहीं है। पैकेटबंद और फ्लेवर्ड दही में अक्सर बहुत ज्यादा चीनी और फैट होता है, जिससे कैलोरी बढ़ जाती है और वजन बढ़ने का खतरा हो सकता है। ऐसे में, सादा घर का बना दही ही सबसे अच्छा है।

■ रात में दही खाने से बचें

रात में दही खाने से कफ दोष बढ़ सकता है, जिससे सर्दी-जुकाम, गले में खराश या पाचन संबंधी समस्याएं हो सकती हैं। अगर आपको दही खानी ही है, तो दिन के समय दही खाना ही ज्यादा बेहतर है।

■ लैक्टोज इनटॉलरेंस की समस्या

दही में लैक्टोज होता है। जिन लोगों को लैक्टोज इनटॉलरेंस होता है, उन्हें दही खाने से पेट फूलना, गैस या दस्त जैसी समस्याएं हो सकती हैं। ऐसे लोगों को दही का सेवन सावधानी से करना चाहिए या लैक्टोज-फ्री दही का विकल्प चुनना चाहिए।

■ खट्टा दही बन सकता है परेशानी का सबब

बहुत ज्यादा खट्टा दही या बासी दही खाने से पेट में एसिडिटी और गैस की समस्या हो सकती है। इसलिए नुकसान से बचना है तो हमेशा ताजा और सही तरीके से जमाया हुआ दही का ही खाएं।

■ दवाइयों के साथ सावधानी

कुछ खास दवाइयों के साथ दही का सेवन करने से रिएक्शन हो सकता है या दवाई का असर कम हो सकता है। अगर आप कोई दवा ले रहे हैं, तो डॉक्टर से सलाह जरूर लें कि क्या आप रोजाना दही खा सकते हैं या नहीं।

बढ़ गया है मच्छरों का आतंक

तो अपनाएं ये आसान घरेलू उपाय

बरसात का मौसम अपने साथ हरियाली और ठंडक के साथ-साथ एक और परेशानी लेकर आता है, जो है मच्छरों का प्रकोप. यह खतरनाक कीट न केवल चैन की नींद हराम करते हैं, बल्कि मलेरिया, डेंगू और चिकनगुनिया जैसी गंभीर बीमारियों को भी आमंत्रण देते हैं. ऐसे में एक सरल, सुरक्षित और घरेलू उपाय आपकी परेशानी का हल बन सकता है कपूर. यह न केवल एक धार्मिक सामग्री के रूप में जानी जाती है, बल्कि इसमें प्राकृतिक कीट-नाशक गुण भी पाए जाते हैं. वैज्ञानिक रूप से भी यह सिद्ध हो चुका है कि कपूर को जलाने से उत्पन्न होने वाला धुआं वातावरण को शुद्ध करता है और मच्छरों को दूर भगाता है.

कपूर का उपयोग करना बेहद आसान है. रात को सोने से पहले अपने कमरे को अच्छी तरह बंद कर लें और कपूर की 2-3 गोलियां किसी धातु की कटोरी या दीये में रखकर जला दें. कमरे को कम से कम 15 से 20 मिनट तक बंद रखें. इसके बाद जब आप कमरे में प्रवेश करेंगे तो पाएंगे कि न सिर्फ मच्छर गायब हो चुके हैं, बल्कि पूरा कमरा एक सुखद और शुद्ध सुगंध से भर गया है. स्थानीय जानकार महिला किरन पांडे ने लोकल 18 को बताया कि यदि इस प्रक्रिया को सप्ताह में कम से कम 4-5 बार अपनाया जाए, तो मच्छरों की संख्या में भारी गिरावट देखी जा सकती है. यह उपाय खासकर बच्चों के कमरों और उन जगहों के लिए उपयोगी है. जहां केमिकल युक्त उत्पादों का प्रयोग संभव नहीं है. इसके अतिरिक्त कपूर का जलाया गया धुआं तनाव कम करने और नींद को बेहतर बनाने में भी सहायक होता है.

कपूर को नीम के तेल या नारियल तेल में मिलाकर उसका स्प्रे बनाकर भी कमरे में छिड़क सकते हैं. मच्छरों को दूर रखने के लिए खिड़की या दरवाजों के पास कपूर की खुली डिब्बी भी रख सकते हैं. जले हुए कपूर की राख को पौधों में डालने से भी कीटों से बचाव होता है. अगर आप भी मच्छरों से परेशान हैं और किसी प्राकृतिक, सस्ता व असरदार उपाय की तलाश में हैं. तो कपूर एक बेहतरीन विकल्प हो सकता है. यह न केवल मच्छरों से राहत दिलाता है बल्कि घर के वातावरण को भी सुगंधित और शांत बनाता है. अगली बार जब मच्छर तंग करें. तो कपूर जलाकर इस घरेलू नुस्खे को जरूर आजमाएं.

उपरोक्त लेखों में दी गई समस्त जानकारियां और सूचनाएं सामान्य मान्यताओं पर आधारित हैं. 'उल्हास विकास' इनकी पुष्टि नहीं करता है. इन पर अमल करने से पहले संबंधित विशेषज्ञ से संपर्क करें.

खबरें गांव की...

झगड़ा शांत कराने पहुंचीं ददिया सास की मौत, सदमे में बहू ने भी लगा ली फांसी

बदायूं. बदायूं जिले के बिल्सी क्षेत्र के नगला डल्लू गांव में गुरुवार को उस वक्त हड़कंप मच गया जब एक ही परिवार में दो महिलाओं की मौत हो गई। एक तरफ जहां 90 वर्षीय बुजुर्ग महिला (ददिया सास) की मौत घरेलू झगड़े में हुई, वहीं दूसरी ओर बहू ने सदमे में फांसी लगाकर जान दे दी। गांव के रहने वाले जयवीर ने बताया कि बुधवार शाम करीब छह बजे उनके भतीजे दीपक जाट और उसकी पत्नी सपना जाट के बीच किसी बात को लेकर कहासुनी हो रही थी। उसी दौरान घर की 90 वर्षीय ददिया सास गंगा देवी झगड़ा शांत कराने पहुंचीं, लेकिन आरोप है कि इसी बीच धक्का लगने से वह गिर गईं। इसके बाद दो घंटे बाद उनकी हृदयगति रुकने से मौत हो गई। बताया गया कि इसी सदमे में गुरुवार सुबह पांच बजे बहू सपना अपने कमरे में गई और दरवाजा बंद कर फांसी लगा ली।

दर्शन कर लौट रहे दंपति पर हमला, लूट के दौरान महिला की हत्या, शक के घेरे में पति

बरेली. यूपी के बरेली में पूर्णागिरी से लौट रहे दंपति पर बदमाशों ने हमला कर दिया। मारपीट कर लूटपाट की और महिला की हत्या कर दी। मगर पुलिस जांच में सिर्फ हत्या करने की बात सामने आई है। महिला के पति की भूमिका संदिग्ध है, पुलिस उसकी जांच कर रही है। बदायूंए थाना बजीरगंज के गांव ब्योली के रहने वाले ओम शरन मौर्य बुधवार रात अपनी पत्नी अमरावती के साथ पूर्णागिरि से दर्शन कर लौट रहा था। रात में देर होने के कारण पर उसने आंवला के गांव मोतीपुरा से अपनी ससुराल से साले की मोटरसाइकिल ले ली। आरोप है कि बाइक से पत्नी संग बदायूं जाते समय आंवला वजीरगंज रोड पर रात्रि करीब 12:45 बजे कंथी गांव के निकट तीन-चार बदमाशों ने उन्हें रोक लिया। बदमाश उनके साथ छीना झपटी करने लगे। उनकी पत्नी ने विरोध जताया तो उसे किसी धारदार हथियार से मारा और बदमाश नकदी व जेवर लूटकर भाग निकले। उन्होंने इसकी सूचना उसने अपने मित्र अनिल यादव को दी। अनिल ने डायल 112 को फोन किया और एंबुलेंस भी मौके पर पहुंची। मगर अस्पताल ले जाने दौरान अमरावती की मौत हो गई।

मेरठ में भीषण हादसा! प्राइवेट स्कूल वैन को कैंटर ने मारी टक्कर, एक छात्रा की मौत

मेरठ. मेरठ में भीषण सड़क हादसा हो गया। हादसे में एक छात्रा की मौत हो गई। गुरुवार की सुबह कंकरखेड़ा थाना क्षेत्र अंतर्गत सरधना रोड नंगलाताशी में बच्चों से भरी प्राइवेट स्कूल वैन को तेज रफ्तार डीसीएम कैंटर ने टक्कर मार दी। इस हादसे में पांचवी कक्षा की छात्रा की मौत हो गई। कई छात्राएं घायल हो गई है। पुलिस ने कैंटर चालक को हिरासत में ले लिया है। पुलिस के अनुसार कंकरखेड़ा थाना क्षेत्र अंतर्गत सरधना रोड नंगलाताशी में सुबह में आर्मी पब्लिक स्कूल से संबंधित प्राइवेट स्कूल वैन बच्चों को लाने गई थी। नंगलाताशी में तेज रफ्तार से आ रही डीसीएम कैंटर ने वैन में टक्कर मार दी। इस हादसे में कक्षा-5 की एक छात्रा आर्या सिरोही की मौत हो गई। कई छात्राएं घायल हो गई हैं।

साध्वी प्रज्ञा, कर्नल पुरोहित समेत सातों आरोपी बरी

मालेगांव ब्लास्ट | **कोर्ट बोला- बाइक प्रज्ञा की और कर्नल RDX लाए यह दोनों बातें साबित नहीं हुईं**

मुंबई. महाराष्ट्र के मालेगांव ब्लास्ट केस में NIA स्पेशल कोर्ट ने साध्वी प्रज्ञा समेत सातों आरोपियों को बरी कर दिया है। इस केस में 7 मुख्य आरोपी थे। इनमें पूर्व भाजपा सांसद साध्वी प्रज्ञा ठाकुर, कर्नल प्रसाद पुरोहित, रमेश उपाध्याय, अजय राहिरकर, सुधाकर चतुर्वेदी, समीर कुलकर्णी और सुधाकर धर द्विवेदी शामिल थे। पीड़ितों के वकील शाहिद नवीन अंसारी ने कहा- हम एनआईए कोर्ट के फैसले के खिलाफ हाईकोर्ट में अपील करेंगे। इस मामले में जांच एजेंसियां और सरकार फेल हुई है।

मालेगांव में 29 सितंबर 2008 को धमाका हुआ था। इसमें 6 लोग मारे गए थे और करीब 100 लोग घायल हुए थे। करीब 17 साल बाद आए फैसले में जज एके लाहोटी ने कहा कि जांच एजेंसी आरोप साबित नहीं कर पाई है, ऐसे में आरोपियों को संदेह का लाभ मिलना चाहिए।

जज लाहोटी ने कहा कि

धमाका हुआ था, लेकिन यह साबित नहीं हुआ कि बम मोटरसाइकिल में रखा था। यह भी साबित नहीं हुआ कि मोटरसाइकिल साध्वी प्रज्ञा के नाम थी। यह भी साबित नहीं हो सका कि कर्नल प्रसाद पुरोहित ने बम बनाया। इस केस का फैसला 8 मई 2025 को वाला था, लेकिन फिर कोर्ट ने इसे 31 जुलाई तक के लिए सुरक्षित रख लिया था। मालेगांव ब्लास्ट केस की शुरुआती जांच महाराष्ट्र ATS ने की थी। 2011 में केस NIA को सौंप दिया गया था। NIA ने 2016 में चार्जशीट दाखिल की थी। केस में 3 जांच एजेंसियां और 4 जज बदल चुके हैं। पूर्व मुख्यमंत्री उमा भारती ने कहा- 'आज की इस खुशी के लिए आपको पता नहीं हमने कितनी तकलीफ से गुजरे हैं। जब कोई नहीं जा रहा था, तब मैं प्रज्ञा से मिलने नाशिक जेल गई थी।' यह कहते हुए उमा के आंसू छलक गए। उमा ने आगे कहा- आपको पता नहीं प्रज्ञा की कितनी सर्जरी हुई हैं। प्रज्ञा का शरीर खराब कर दिया गया। वो तो सूरज के जैसे झिलमिला रही थी और मैं रो रही थी। उसने मुझे सांत्वना दी थी और मेरे आंसू पोंछे थे। उसने कहा था– देशवासियों से कह दो कि मैंने हिंदुत्व को कलंकित नहीं होने दिया।

हिंदू आतंकवादी हो सकते हैं

मालेगांव फैसले के बाद कांग्रेस सांसद के विवादित बोल

मुंबई. मालेगांव बम धमाका केस में साध्वी प्रज्ञा सिंह ठाकुर और कर्नल पुरोहित को बरी किए जाने पर कांग्रेस की सांसद रेणुका चौधरी ने विवादित बयान दिया है। उन्होंने कहा कि इस सरकार में इन लोगों को छूटना ही था। अब छूट गए हैं, देखते हैं कि आगे क्या होता है। ये हमें पहले से ही लग रहा था। यही नहीं रेणुका चौधरी ने कांग्रेस की ओर से हिंदू आतंकवाद जैसी टर्म दिए जाने पर माफी मांगने की बात से भी इनकार किया। यही नहीं उन्होंने कहा कि ऐसा कहने में कोई बुराई नहीं है।

रेणुका ने कहा कि आतंकवाद का कोई मजहब नहीं होता है। जब हम मुस्लिम आतंकवादी कहते हैं तो हिंदू आतंकवाद कहने की मजबूरी हो जाती है। इसीलिए हम

आतंकवाद ही कहते हैं। आतंकवादी किसी भी धर्म में हो सकते हैं। हिंदू धर्म में कई तरह के लोग होते हैं। यह पूछे जाने पर कि क्या हिंदू आतंकवादी हो सकता है? इस पर रेणुका चौधरी ने कहा कि हां, हो सकते हैं। रेणुका चौधरी ने कहा कि आखिर नक्सली कौन हैं? उनका मजहब क्या है? क्या वे आतंकवादी थे? आप उन्हें क्या मानेंगे। रेणुका चौधरी ने कहा कि हिंदू आतंकवादी हो सकता है।

इस मामले में समाजवादी पार्टी के अध्यक्ष अखिलेश यादव का भी बयान आया है। उन्होंने कहा कि देश की आम जनभावना यही है कि दोषियों को सजा मिले। आम लोगों को यही लगता है कि जो लोग गलत हैं। उन्हें सजा मिले। यही नहीं उन्होंने कहा कि अमेरिका में जो हो रहा है, शायद उसे दबाने के लिए ऐसा किया गया है। एक खबर को दबाने के लिए नई खबर पैदा की गई है। बता दें कि इस मामले में बरी होते ही साध्वी प्रज्ञा अदालत में ही भावुक हो गईं। उन्होंने रोते हुए कहा कि मेरे ऊपर आतंकवादी का टैग लगाया गया। मेरी पूरी जिंदगी ही बर्बाद हो गई। मैं तो एक संन्यासी थी तो जिंदा रह गई, जबकि हर दिन मर-मर कर मैं जी रही थी।

इमरान बोले- ये फैसला है, इंसाफ नहीं

नई दिल्ली. मालेगांव ब्लास्ट को लेकर आए फैसले पर विपक्ष जमकर नाराजगी जाहिर कर रहा है। कांग्रेस के राज्यसभा सांसद इमरान प्रतापगढ़ी ने कहा है कि यह इंसाफ नहीं है। गुरुवार को NIA अदालत ने 2008 ब्लास्ट केस में भारतीय जनता पार्टी की पूर्व सांसद साध्वी प्रज्ञा सिंह ठाकुर समेत सभी आरोपियों को बरी कर दिया है। धमाके में 6 लोगों की मौत हो गई थी।

प्रतापगढ़ी ने कहा, 'कांग्रेस पार्टी पहले दिन से यह बात कह रही है कि धर्म आतंकवाद का नहीं होता है। यह शब्द तत्कालीन गृह सचिव आर. के. सिंह ने गढ़ा था। उन्हें 10 सालों तक मंत्री और सांसद बनाकर भाजपा ने अपने साथ बैठाकर रखा था... यह फैसला है न्याय नहीं है...।'

लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष और उत्तर प्रदेश के रायबरेली से कांग्रेस सांसद राहुल गांधी ने सरकार पर मुद्दे से भटकाने के आरोप लगाए हैं। उन्होंने कहा, 'सरकार ने नीतियों को तबाह किया। मुद्दे से भटकाने का प्रयास किया जा रहा है।'

कांग्रेस सांसद इमरान मसूद ने कहा, 'पुलिस ने सभी कड़ियों को जोड़कर भेजा था तो ये सब किसने किया था... इसमें कोई दो राय नहीं है कि मालेगांव में ब्लास्ट हुआ था... आतंकवाद को हिंदू और मुसलमान में नहीं बाटा जा सकता है...।'

शिवसेना (UBT) ने किया फैसले का स्वागत

शिवसेना (UBT) नेता आनंद दुबे ने कहा, 'कोर्ट का जो निर्णय है वह स्वागत योग्य है। 17 साल बाद ही सही सत्य तो मिला... सोचिए कि इन 7 आरोपियों के जीवन में 17 साल कैसे बीते होंगे?... साथ ही साथ एक प्रश्न भी उठता है कि 17 साल लग गए न्याय मांगने में? हम कोर्ट का धन्यवाद देते हैं कि देर आए दुरुस्त आए। कोर्ट ने ये भी कहा कि आतंकवाद का कोई धर्म नहीं होता... कुछ नेताओं ने 'भगवा आतंकवाद' की संज्ञा दी थी लेकिन भगवा कभी आतंकवाद से जुड़ा नहीं हो सकता... दुर्भाग्य है कि कुछ लोग भगवा को आतंकवाद कहते हैं... न्याय मांगने में समय लगता है लेकिन न्याय जरूर मिलता है...।'

ट्रम्प ने इंडिया को डेड इकोनॉमी बताया

कहा- भारत और रूस अपनी अर्थव्यवस्था को साथ ले डूबें, मुझे क्या; कल से 25% टैरिफ लगेगा

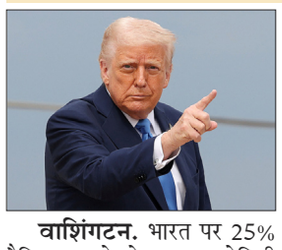

वाशिंगटन. भारत पर 25% टैरिफ लगाने के बाद अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प ने भारत और रूस को डेड इकोनॉमी बताया। उन्होंने कहा- भारत और रूस अपनी अर्थव्यवस्था को साथ ले डूबें, मुझे क्या। एक दिन पहले ट्रम्प ने 1 अगस्त 2025 से भारत पर टैरिफ लगाने की घोषणा की थी। अभी भारत पर अमेरिका का टैरिफ सामान के हिसाब से औसतन 10% के आसपास है।

ट्रम्प को भारत-रूस व्यापार पर आपत्ति

डोनाल्ड ट्रम्प ने 30 जुलाई को ऐलान किया कि भारतीय सामानों पर अमेरिका में 1 अगस्त से 25% टैरिफ लगेगा। उन्होंने रूस से व्यापार के चलते भारत पर पेनल्टी लगाने की बात भी कही। अपने सोशल मीडिया ट्रुथ सोशल पर उन्होंने यह बात लिखी।

डेड इकोनॉमी क्या होती है?

डेड इकोनॉमी का मतलब है ऐसी अर्थव्यवस्था जो रुक गई हो या तेजी से गिर रही हो। इसमें व्यापार, निवेश, और विकास लगभग ठप हो जाते हैं, और लोग इसे ₹मरी हुई₹ अर्थव्यवस्था कहते हैं क्योंकि इसमें हालात से उबरने की क्षमता नहीं रहती।

रवि किशन बोले- कहीं समोसा छोटा, कहीं बड़ा मिलता है

संसद में मांग रखी- होटलों-ढाबों में भोजन की मात्रा का स्टैंडर्ड तय करने कानून बने

नई दिल्ली. भाजपा सांसद और एक्टर रवि किशन ने बुधवार को सरकार से देशभर के होटलों, रेस्टोरेंट, ढाबों में परोसी जाने वाली खाने की चीजों की कीमतों को नियंत्रित करने के लिए कानून बनाने की मांग की। उन्होंने लोकसभा में शून्यकाल के दौरान कहा कि देश में कहीं भी, किसी भी खाद्य पदार्थ या व्यंजन की कीमतों और गुणवत्ता में कोई यूनिफॉर्मिटी नहीं है। रवि किशन लोकसभा में शून्यकाल के दौरान अपनी मांग रखी। उन्होंने कहा- कहीं आपको ढाबे में समोसा X दर पर मिलता है, जबकि Y दर पर। कहीं छोटा समोसा मिलता है, कहीं बड़ा। कुछ दुकानों पर दाल तड़का 100 रुपए में मिलती है, जबकि कुछ पर 120 रुपए में और किसी होटल में 1000 रुपए में।

रवि ने X पर एक पोस्ट में लिखा- देशभर के होटल और ढाबों में मिलने वाले भोजन की मात्रा का मानक तय हो। होटलों के मेन्यू कार्ड में सिर्फ कीमत लिखी होती है, मात्रा नहीं। इससे ग्राहकों को भ्रम होता है और भोजन का वेस्टेज भी होता है। मेरी मांग है कि कानून तय करे कि मेन्यू में कीमत के साथ-साथ खाद्य पदार्थ की मात्रा भी लिखी हो।

राहुल बोले-ट्रम्प ने सही कहा कि इंडियन इकोनॉमी मर चुकी

नई दिल्ली. कांग्रेस सांसद राहुल गांधी ने गुरुवार को अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प के भारतीय अर्थव्यवस्था को डेड इकोनॉमी (मृत अर्थव्यवस्था) बताने पर कहा- मुझे खुशी हुई कि अमेरिकी राष्ट्रपति ने फैक्ट बताया है।

राहुल ने गुरुवार को कहा कि पूरी दुनिया जानती है कि भाजपा ने अडाणी की मदद के लिए भारतीय अर्थव्यवस्था को बर्बाद कर दिया है। ट्रम्प सही कह रहे हैं। प्रधानमंत्री मोदी और वित्त मंत्री को छोड़कर सभी जानते हैं कि भारत की इकोनॉमी डेड है।

राहुल गांधी ने अपने X पर पोस्ट किया- भारत की इकोनॉमी मर चुकी है। इसे मोदी ने मार दिया।

1. मोदी-अडाणी की पार्टनरशिप
2. नोटबंदी और खामियों वाला GST
3. 'असेंबल इन इंडिया' फेल रहा (राहुल मेक इन इंडिया को असेंबल इन इंडिया कहते हैं)
4. MSMEs यानी छोटे-मध्यम उद्योग खत्म हो गए

राहुल का यह बयान ट्रम्प के उस बयान के बाद आया, जिसमें उन्होंने कहा कि मुझे फर्क नहीं पड़ता कि रूस और भारत अपनी डेड इकोनॉमी को कैसे संभालते हैं।

दरअसल बुधवार को अमेरिकी ने भारत पर 25% टैरिफ की घोषणा की। इसके बाद से ही कांग्रेस समेत कई पार्टियों से जुड़े लोगों की प्रतिक्रियाएं सामने आ रही हैं।

मुंबई एयरपोर्ट पर 8 करोड़ की ड्रग्स जब्त

मुंबई. मुंबई कस्टम डिपार्टमेंट के एविएशन अधिकारियों ने 8 करोड़ रुपए की हाइड्रोपोनिक वीड (गांजा) जब्त की है। यह कार्रवाई 29 और 30 जुलाई को हुई। इसमें 4 आरोपियों को गिरफ्तार किया गया है।

कस्टम ऑफिसर ने छत्रपति शिवाजी महाराज इंटरनेशनल एयरपोर्ट पर बैंकॉक से आई फ्लाइट नंबर वीजी760 से तीन संदिग्ध पैसेंजर्स को रोका था। इनके सामान की जांच के दौरान 1.990kg गांजा मिला, जिसकी बाजार में करीब 2 करोड़ रुपए की कीमत है। मुंबई एयरपोर्ट के ही एक दूसरे मामले में बैंकॉक की फ्लाइट नंबर 6E1060 से एक पैसेंजर के पास 6.22kg गांजा बरामद किया। इसकी बाजार कीमत 6 करोड़ रुपए है। दोनों मामलों ने एविएशन अधिकारियों ने 8 करोड़ की ड्रग्स जब्त की है।

डोनाल्ड ट्रंप पगला गए हैं

चंद्रशेखर आजाद बोले- मोदी ने उनका सम्मान बढ़ाया, अमेरिका ने छुरा घोंपा

नई दिल्ली. अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप द्वारा भारत पर 25 प्रतिशत टैरिफ लगाने की घोषणा पर यूपी के आजाद समाज पार्टी के नगीना सांसद चंद्रशेखर आजाद की प्रक्रिया आई है। चंद्रशेखर ने कहा कि डोनाल्ड ट्रंप पागल हो गए हैं। मैं साफ शब्दों में कहना चाहता हूं कि वह किसी भी तरह से हमारे दोस्त नहीं हैं। हमारे प्रधानमंत्री ने उनका सम्मान बढ़ाने की कोशिश की, लेकिन उन्होंने कई बार हमारा अपमान किया है। अमेरिका ने बार-बार छुरा घोंपा। उन्होंने 'वह पाकिस्तान का समर्थन कर रहे हैं और हमारी सरकार का अपमान कर रहे हैं।

चंद्रशेखर आजाद ने कहा कि

ट्रंप जिस तरह से भाषा का प्रयोग कर रहे हैं। उन्हें कोई अधिकार नहीं है। ऑपरेशन सिंदूर' के दौरान युद्धविराम में मध्यस्थता करके हमारी सरकार को नीचा दिखाने की कोशिश की। टंप बार-बार कहते रहे कि सीजफायर हमने कराया है। टंप पकिस्तान पर प्यार लूटा रहे हैं। अमेरिका पाकिस्तान की आर्थिक मदद कर रहा है। यही नहीं अमेरिका पाकिस्तान को हीरो बता रहा है।

हमारी सरकार को निंदा प्रस्ताव लाना चाहिए

नगीना सांसद चंद्रशेखर ने आगे ने कहा कि टंप ने बाज नहीं आ रहे है। वह हमारी सरकार का का बार-बार अपमान कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि हमारी इकोनॉमी पर उनको बोलने का कोई अधिकार है। हमारी सरकार किस तरह से आगे बढ़ रही हैं। किस तरह हमारी सरकार मेहनत कर रही है। उन्हें क्या पता है? उनकी नीतियां अलग हैं। हमारी नीतियां अलग हैं। उन्होंने कहा कि हमारी सरकार को निंदा प्रस्ताव लाना चाहिए। इसी सदन में हम लोग समर्थन करेंगे।

6 भारतीय कंपनियों पर अमेरिकी एक्शन

- **कहा- ईरान की तेल कंपनियों से चोरी-छिपे करोड़ों डॉलर का कारोबार किया**

अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प ने बुधवार देर रात ईरान से प्रतिबंधित रसायन और पेट्रोकेमिकल उत्पादों की खरीद करने वाली 24 कंपनियों पर प्रतिबंध लगा दिया। इनमें 6 भारतीय कंपनियां भी हैं। इसके अलावा चीन की 7, UAE की 6, हॉन्गकॉन्ग की 3, तुर्किये और रूस की 1-1 कंपनी भी शामिल हैं।

अमेरिकी विदेश मंत्रालय ने इन प्रतिबंधों की घोषणा की। मंत्रालय का कहना है कि इन कंपनियों ने 2024 में ईरानी मूल के 1000 करोड़ रुपए से ज्यादा के उत्पाद यूएई के रास्ते मंगवाए। ईरान इस पैसे न्यूक्लियर प्रोग्राम बढ़ा रहा है और आतंकी फंडिंग कर रहा है। मंत्रालय ने इसे अमेरिकी प्रतिबंधों का उल्लंघन बताया है।

ओलिंपिक 2028 से बाहर हो सकते हैं पाकिस्तान-न्यूजीलैंड

- **ICC की क्षेत्रीय योग्यता प्रणाली बनी बाधा**
- **128 साल बाद ओलिंपिक में क्रिकेट की वापसी**

लॉस एंजिल्स ओलिंपिक 2028 में पूर्व टी-20 वर्ल्ड चैंपियन पाकिस्तान और न्यूजीलैंड की पुरुष टीमें टूर्नामेंट से बाहर हो सकती हैं। इसका मुख्य कारण इंटरनेशनल क्रिकेट काउंसिल (ICC) द्वारा ओलिंपिक क्वालिफिकेशन के लिए निर्धारित क्षेत्रीय योग्यता प्रणाली है।

128 साल बाद 2028 ओलिंपिक में क्रिकेट की वापसी हो रही है, जिसमें मेंस और विमेंस टीमें टी-20 फॉर्मेट में हिस्सा लेंगी। इसमें 6-6 टीमें हिस्सा लेंगी।

एशिया, ओशिनिया, यूरोप और अफ्रीका से टॉप-टॉप टीमें होंगी क्वालिफाई

ब्रिटिश अखबार द गार्जियन की रिपोर्ट के अनुसार, ICC ने ओलिंपिक के लिए क्षेत्रीय योग्यता प्रणाली लागू करने का फैसला किया है। इसके तहत एशिया, ओशिनिया, यूरोप, और अफ्रीका की टॉप रैंक वाली टीमें क्वालिफाई करेंगी। मेजबान देश होने के नाते अमेरिका (अमेरिका क्षेत्र का प्रतिनिधित्व करते हुए) को भी सीधा प्रवेश मिलेगा।

इस प्रणाली से वेस्टइंडीज की टीमें भी प्रभावित हो सकती हैं, क्योंकि कैरेबियाई देशों को अमेरिका के साथ एक ही क्षेत्र में रखा गया है। वर्तमान टी-20 रैंकिंग के आधार पर, भारत (एशिया), ऑस्ट्रेलिया (ओशिनिया), ग्रेट ब्रिटेन (यूरोप), और साउथ अफ्रीका (अफ्रीका) क्वालिफाई करेंगे। अमेरिका मेजबान के रूप में हिस्सा लेगा।

हालांकि, न्यूजीलैंड (वर्तमान में टी-20 रैंकिंग में चौथे स्थान पर) को ओशिनिया क्षेत्र से ऑस्ट्रेलिया (दूसरे स्थान पर) के सामने क्वालिफाई करने का मौका नहीं मिलेगा। इसी तरह, पाकिस्तान (आठवें स्थान पर) और श्रीलंका (सातवें स्थान पर) को एशिया क्षेत्र से भारत के सामने जगह नहीं मिलेगी।

अहमदाबाद प्लेन-क्रैश में जान गंवाने वाले के घर पहुंचे ठग

- **10 करोड़ दिलाने का झांसा दिया**

उदयपुर. अहमदाबाद प्लेन क्रैश में जान गंवाने उदयपुर के वरदीचंद मेनारिया की मौत का पहाड़ जैसा दुख कम होने से पहले परिवार से रुपए ऐंठने के लिए ठग उनके घर पहुंच गए।

खुद को सुप्रीम कोर्ट का बताते हुए ठगों ने विमान निर्माता कंपनी बोइंग पर केस करके 8 से 10 करोड़ रुपए दिलाने का झांसा दिया। पासपोर्ट मांगकर खाली स्टाम्प पेपर पर दस्तखत करवाने का दबाव भी बनाया। शक होने पर घर वालों ने पुलिस में मामला दर्ज करवाया है। गौरतलब है कि अहमदाबाद प्लेन क्रैश हादसे में उदयपुर के 5 लोगों सहित राजस्थान के 14 लोगों की मौत हुई थी।

वरदीचंद के बेटे दीपक मेनारिया ने वल्लभनगर पुलिस थाने में एफआईआर दर्ज कराई है। वरदीचंद मेनारिया (49) उदयपुर जिले के वल्लभनगर पुलिस थाना क्षेत्र के रूंडेड़ा के रहने वाले थे।

दीपक मेनारिया के मुताबिक 17 जुलाई की रात भूपेंद्र नाम के व्यक्ति का कॉल आया था। उसने कहा- अहमदाबाद प्लेन क्रैश में आपके पिता की मौत हुई थी।

उल्हासनगर महानगरपालिका, उल्हासनगर

प्रभाग समिती क्र.4

जा.क्र. उमपा/सहा. आ/प्र.स4/486/2025
सहायक आयुक्त, प्र.स 4 कार्यालय,
उल्हासनगर महानगरपालिका,
उल्हासनगर-421005.
दिनांक : 30/07/2025

नोटीस

(महाराष्ट्र नागरी क्षेत्र झाडांचे संरक्षण व जतन अधिनियम 1975 चे कलम 8 (3) अन्वये)

उल्हासनगर महानगरपालिका क्षेत्रात प्रभाग समिती क्र.4 चे हद्दीत खाली नमुद केलेल्या ठिकाणी वृक्ष तोडणेसाठी प्रस्ताव प्राप्त झालेला आहे.

उपकेंद्र 110/22 के.व्ही., आकाश कॉलनी, गायकवाडपाडा, उल्हासनगर-421005

अ.क्र.	झांडाचा तपशिल	संख्या
1.	आंबा	09
2.	फणस	01
3.	शेवगा	01
4.	जांभुळ	01
5.	काजु	01
6.	जंगली	02
	एकूण	15

उक्त नमुद केलेल्या ठिकाणी असलेले वृक्ष तोडण्यासाठी कोणत्याही इसमाची हरकत असल्यास त्यांनी आपली हरकत लेखी स्वरुपात दिनांक 07/08/2025 पूर्वी सहायक आयुक्त तथा वृक्ष अधिकारी प्रभाग समिती क्र.4, अग्निशमन इमारत, उल्हासनगर-421005 या कार्यालयात सादर करावी. मुदतीत लेखी हरकत प्राप्त झाल्यास संबधितास सुनावणी देऊन अंतीम निर्णय घोतला जाईल, विहित मुदतीत हरकत प्राप्त न झाल्यास प्रस्तुत प्रकरणी गुणवत्तेवर निर्णय घेण्यात येईल, याची नोंद घ्यावी.

सही/-
(अलका पवार)
वृक्ष अधिकारी तथा सहा आयुक्त
प्रभाग समिती क्र 4
उल्हासनगर महानगरपालिका

जा. क्र. उमपा / पीआरओ /221/2025
दिनांक :- 31/07/2025

संक्षेप...

कम कीमत पर सोना देने का लालच; 8 लाख रुपये की ठगी

नवी मुंबई. सानपाड़ा में एक व्यापारी को कम कीमत पर सोना देने का लालच देकर 8 लाख रुपये की ठगी का शिकार होना पड़ा। आरोपियों ने पैसे ले लिए और एक्सचेंज के दौरान सोना दिए बिना ही फरार हो गए। इस मामले में सानपाड़ा पुलिस स्टेशन में पाँच अज्ञात लोगों के खिलाफ मामला दर्ज किया गया है। राकेश, राजेश, खन्ना और राजू, मीरा रोड के विनय नगर में रहने वाले 22 वर्षीय प्रेम भानुशाली से मिले।

उन्होंने प्रेम को बताया कि वह कम कीमत पर सोना खरीद सकता है और अगर वह इच्छुक हो तो उसे बता दे। इस लालच में आकर प्रेम ने सोना खरीदने का फैसला किया। इसके लिए उसने पैसे इकट्ठा किए और 8 लाख रुपये नकद जमा किए। उनकी बातचीत फरवरी 2025 में शुरू हुई। आखिरकार, पैसे इकट्ठा करने के बाद, प्रेम ने उससे सोना दिखाने को कहा, लेकिन वह अभी मौजूद नहीं है।

कबूतरों को दाना डालने वालों पर FIR करने की कोर्ट ने दी परमिशन

बॉम्बे हाईकोर्ट बोला कबूतरों को दाना चुगाना परेशानी बनता है : यह सेहत के लिए भी खतरा

सुनवाई के दौरान कोर्ट की बड़ी बातें...

अनुमति न मिलने के बावजूद लोग कबूतरखानों में कबूतरों को दाना डालना जारी रखे हुए हैं। अब यह स्थिति और भी जटिल हो गई है, क्योंकि पिछले आदेश में याचिकाओं को खारिज कर दिया गया था। नगर निगम के अधिकारियों को अपने कर्तव्यों का निर्वहन करने से रोका जा रहा है। कानून की अवहेलना की जा रही है। हम BMC को ऐसे किसी भी व्यक्ति और समूहों के खिलाफ मुकदमा चलाने की अनुमति देते हैं।

मुंबई. बॉम्बे हाईकोर्ट ने कहा कि कबूतरों के झुंड को दाना डालना सार्वजनिक रूप से परेशानी पैदा करने वाला है। यह मुद्दा जन स्वास्थ्य से जुड़ा है और सभी उम्र के लोगों के स्वास्थ्य के लिए गंभीर और संभावित खतरा है।

30 जुलाई को जस्टिस जीएस कुलकर्णी और जस्टिस आरिफ डॉक्टर की बेंच ने पशु प्रेमियों की दायर याचिका पर सुनवाई की। कोर्ट ने मुंबई नगर निगम को दाना डालने वालों के खिलाफ FIR दर्ज करने का भी निर्देश दिया।

इसके अलावा कोर्ट ने BMC को शहर के कबूतरखानों में कबूतरों के जमावड़े को रोकने के लिए सभी जरूरी कदम उठाने और कड़े उपाय लागू करने का निर्देश भी दिया।

दरअसल, 3 जुलाई को इसी मामले की सुनवाई के दौरान कोर्ट ने BMC को किसी भी पुराने विरासती कबूतरखाने को ध्वस्त करने से रोक दिया था, लेकिन कहा था कि दाना डालने की अनुमति नहीं दे सकती।

पल्लवी पाटिल, स्नेहा विसारिया और सविता महाजन ने याचिका में दावा किया था कि BMC का यह काम पशु क्रूरता निवारण अधिनियम का उल्लंघन करता है।

मुंबई में क्या हैं दाना डालने वालों के खिलाफ नियम

महाराष्ट्र सरकार ने 3 जुलाई 2025 को विधायी सदन में घोषणा की कि मुंबई के सभी 51 कबूतरखानों को तत्काल बंद किया जाएगा। उसी दिन BMC को निर्देशित किया गया कि सारे फीडिंग स्पॉट बंद होने के बाद वहां पर दाना डालने वालों के खिलाफ 500 का जुर्माना लगाया जाए।

कई मुंबई की रेसिडेंशियल सोसायटीज में यह नियम है कि कोई व्यक्ति खिड़की या बालकनी में कबूतरों को दाना नहीं डालेगा। ऐसा करने पर 500–1000 तक का फ्लैट-जुर्माना लगाया जा सकता है।

इसके अलावा महामारी रोग अधिनियम 1897 और महाराष्ट्र नगर पालिका अधिनियम 1949 की धारा 381 (B) के तहत भी कार्रवाई की जाती है।

मुंबई एयरपोर्ट पर दिव्या देशमुख का जोरदार स्वागत

मुंबई. फिडे महिला विश्व कप 2025 चैंपियन दिव्या देशमुख जब स्वदेश लौंटी तो मुंबई एयरपोर्ट पर उनका जोरदार स्वागत हुआ. दिव्या यह खिताब जीतने वाली पहली भारतीय महिला हैं. मुंबई एयरपोर्ट पर दिव्या का स्वागत गर्मजोशी और गर्व के साथ किया गया और उनके इस दौरान उनकी ऐतिहासिक उपलब्धि को सराहा गया.

महज 19 साल की उम्र में, दिव्या ने प्रतिष्ठित फिडे महिला विश्व कप 2025 चैंपियन का खिताब जीतकर और प्रतिष्ठित ग्रैंडमास्टर खिताब हासिल करके इतिहास में अपना नाम दर्ज कराया है. दिव्या भारत की 88वीं ग्रैंडमास्टर हैं और यह उपलब्धि हासिल करने वाली चौथी भारतीय महिला हैं. उनकी जीत वैश्विक शतरंज में भारत की बढ़ती प्रमुखता का एक शानदार उदाहरण है.

डॉ. श्रीकृष्ण पांचाल ने संभाला ठाणे जिलाधिकारी का पदभार

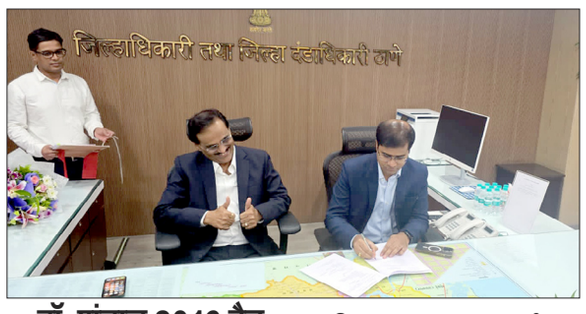

- डॉ. पांचाल 2016 बैच के आईएएस अधिकारी
- शिक्षा- MBBS,सरकारी मेडिकल कॉलेज और सर जेजे ग्रुप ऑफ़ अस्पताल मुंबई
- उदगीर, जिला लातूर के मूल निवासी

ठाणे. जिलाधिकारी अशोक शिनगारे हुए सेवानिवृत्त।उन्होंने ने आज डॉ. श्रीकृष्ण पांचाल को सौंपी कमान। डॉ पांचाल यवतमाल में अपने कार्यकाल के दौरान, यवतमाल जिला परिषद ने वर्ष 2020-21 में यशवंतराव चव्हाण पंचायत राज पुरस्कार का राज्य स्तरीय प्रथम पुरस्कार और महिला एवं बाल विकास विभाग के अंतर्गत योजना के सफल क्रियान्वयन के लिए राज्य स्तरीय प्रथम पुरस्कार जीता। कोविड काल में मिशन कायाकल्प का क्रियान्वयन किया गया और आरएच, पीएचसी, उपकेंद्रों में सुधार किए गए।इसके बाद, जालना जिले में मराठा आरक्षण आंदोलन के अनुरूप, राज्य सरकार और आंदोलनकारियों के बीच समन्वय और संवाद स्थापित करके आंदोलन की अवधि को संवेदनशीलता से संभाला। मुख्यमंत्री के 100 दिन कार्यक्रम में जालना जिले का चयन संभाग स्तर पर किया गया। साथ ही, जालना जिले में रेशम, कृषि प्रसंस्करण, कौशल विकास के क्षेत्रों में उल्लेखनीय कार्य किया है।

कर्नाला नागरी सहकारी बैंक धोखाधड़ी मामला

386 करोड़ की अचल संपत्ति नीलाम करने का आदेश

मुंबई. प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) की मुंबई यूनिट ने पनवेल के कर्नाला नागरी सहकारी बैंक लिमिटेड धोखाधड़ी मामले में 386 करोड़ रुपए की अचल संपत्ति सक्षम प्राधिकारी, एमपीआईडी (महाराष्ट्र सरकार द्वारा नियुक्त) को वापस कर दी है, ताकि इसे बैंक के उन जमाकर्ताओं के बीच वितरित किया जा सके, जिन्होंने अपना पैसा खो दिया है। ईडी की जांच में पता चला है कि जालसाजी और धोखाधड़ी के अपराध से अर्जित आय विवेकानंद शंकर पाटील और उनके रिश्तेदारों द्वारा नियंत्रित विभिन्न संस्थाओं में स्थानांतरित कर दी गई थी। उन्होंने कर्नाला नागरी सहकारी बैंक लिमिटेड से निकाली गई धनराशि का उपयोग विभिन्न संपत्तियां और परिसंपत्तियां खरीदने के लिए किया था। अपराध से प्राप्त इस राशि का उपयोग महाराष्ट्र के रायगड जिले में विभिन्न स्थानों पर अचल संपत्ति खरीदने में किया गया था।

386 करोड़ रुपए मूल्य की ये संपत्तियां धन शोधन निवारण अधिनियम (पीएमएलए) की धारा 5 के तहत 17 अगस्त 2021 और 12 अक्टूबर 2023 को कुर्क की गई थीं। इस बीच आरबीआई द्वारा नियुक्त परिसमापक ने पीएमएलए की धारा 8(8) के तहत विशेष न्यायालय में इसकी वापसी के लिए एक आवेदन दायर किया, जिस पर ईडी ने सहमति दे दी है।

वरिष्ठ पत्रकार अरविंद त्रिपाठी सम्मानित

कल्याण. कल्याण शहर के प्रतिष्ठित सांस्कृतिक गणेश उत्सव महामंडल द्वारा आयोजित भव्य समारोह में नवभारत टाइम्स के वरिष्ठ पत्रकार अरविंद त्रिपाठी को उत्कृष्ट पत्रकारिता के लिए सम्मानित किया गया। यह सम्मान उन्हें शिवसेना के विधायक विश्वनाथ भोईर और महेश गायकवाड के द्वारा प्रदान किया गया। कार्यक्रम में समाज के विभिन्न क्षेत्रों में विशेष योगदान देने वाले अनेक व्यक्तियों को भी सम्मानित किया गया।

गणेश महामंडल के अध्यक्ष मुकेश झा और महेश गायकवाड ने अपने वक्तव्य में कहा,अरविंद त्रिपाठी ने पत्रकारिता को एक सामाजिक उत्तरदायित्व के रूप में निभाया है। उन्होंने न केवल समस्याओं को उजागर किया, बल्कि समाज को जागरूक करने और सकारात्मक दिशा में प्रेरित करने का कार्य भी किया। उनकी लेखनी में सच्चाई, निष्पक्षता और जनहित की भावना स्पष्ट झलकती है। इसीलिए इस वर्ष उन्हें सम्मानित करना हमारे लिए गौरव की बात है।"

त्रिपाठी पत्रकारिता जगत में 15 वर्षों से अधिक का अनुभव रखते हैं और ठाणे जिले के कल्याण-डोंबिवली, उल्हासनगर, अंबरनाथ और बदलापुर जैसे क्षेत्रों की सामाजिक, राजनीतिक और आपराधिक घटनाओं पर गहरी पकड़ रखते हैं। उन्होंने हमेशा उन मुद्दों को प्राथमिकता दी है जो आम जनता के जीवन को प्रभावित करते हैं।

सम्मान ग्रहण करते समय अरविंद त्रिपाठी ने कहा, "यह सम्मान मेरे लिए गर्व की बात है, लेकिन साथ ही यह मेरी जिम्मेदारियों को और बढ़ाता है। पत्रकारिता मेरे लिए केवल पेशा नहीं, बल्कि समाज के प्रति सेवा का माध्यम है। मैं इस विश्वास और प्रेम के लिए महामंडल व आयोजकों का हृदय से आभार प्रकट करता हूँ।"

भिवंडी महानगरपालिका ने महामारी की रोकथाम के लिए उठाए कदम

भिवंडी. भिवंडी मनपा द्वारा बारिश में होने वाले संक्रामक बीमारियों की रोकथाम की खातिर पूर्णतया सजग होकर कार्य कर रही है.आयुक्त अनमोल सागर ने अधिकारियों की बैठक कर संक्रामक बीमारियों के निवारक उपाय करने के निर्देश दिए हैं. मनपा हेल्थ विभाग कर्मियों ने मनपा के अधिकार क्षेत्र में समाज के सदस्यों को एक पत्र दिया है कि मलेरिया, डेंगू और चिकनगुनिया के खिलाफ कैसे निवारक उपाय किए जाने चाहिए.यदि रोगी को बुखार होता है, तो रोगी को निकटतम नागरिक स्वास्थ्य केंद्र में जाना चाहिए और इलाज करवाना चाहिए. साथ ही, भिवंडी मनपा के जिन क्षेत्रों में डेंगू और मलेरिया के मरीज पाए जाते हैं, वहां वार्ड समिति द्वारा नियमित रूप से धुआं और किटनाशक दवा

का छिड़काव आदि किया जा रहा है. नागरिकों को महामारी रोगों पर स्वास्थ्य शिक्षा प्रदान की जा रही है.

शहरवासियों से अपील

मनपा के चिकित्सा विभाग द्वारा जारी एक प्रेस विज्ञप्ति में बताया गया है कि,शहर के नागरिकों को अपने घरों के आसपास साफ पानी जमा नहीं होने देना चाहिए. प्लास्टिक की पानी की टंकियों को हफ़्ते में एक दिन सूखा रखना चाहिए और पानी भरने के बाद कपड़े से ढक देना चाहिए.घर के कूलर, एसी, रेफ्रिजरेटर, पक्षियों के दाना, छोटे पेड़ों के गमले, नारियल के खोल, टूटे टायर आदि में पानी जमा न होने दें.डेंगू के मच्छर इनमें मौजूद साफ़ पानी में पनपते हैं.किसी भी तरह का बुखार होने पर तुरंत नज़दीकी नागरिक स्वास्थ्य केंद्र जाकर रक्त जाँच करवाएँ.डेंगू बुखार से संक्रमित मच्छर के काटने से किसी को भी डेंगू बुखार हो सकता है.निजी अस्पतालों और निजी प्रयोगशालाओं को भी डेंगू से संक्रमित मरीजों की जानकारी निकटतम नागरिक स्वास्थ्य केंद्र को देने का आदेश दिया गया है. शहर के नागरिकों से अपील की गई है कि वे मलेरिया, डेंगू और चिकनगुनिया से बचाव के लिए उपरोक्त उपायों का उपयोग करके नगर निगम प्रशासन का सहयोग करें.

आदिवासी चिंबीपाड़ा में उप-जिला अस्पताल की मांग को लेकर जोरदार प्रदर्शन

- उप-विभागीय अधिकारी को सौंपा मांग का ज्ञापन

भिवंडी. भिवंडी आरपीआई सेक्युलर की ओर से तालुका युवा अध्यक्ष अजिंक्य गायकवाड़ के नेतृत्व में भिवंडी के उप-विभागीय अधिकारी अमित सानप के कार्यालय के सामने तालुका के कंबा और चिंबीपाड़ा के बीच चिंबीपाड़ा स्थित प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र को उप-ज़िला अस्पताल में बदलने की मांग को लेकर विरोध प्रदर्शन किया गया. विरोध प्रदर्शन में पार्टी के राज्य महासचिव किरण चन्ने, पूर्व पंचायत समिति अध्यक्ष श्रीधर खरीक, संजय वरघाड़े, दत्ता शिकारी, आतिश कदम, अंकुश पाटिल और पंचक्रोशी के कई नागरिक शामिल हुए. आंदोलन को संबोधित करते हुए अजिंक्य गायकवाड़ ने ज़ोर देकर कहा कि भिवंडी का पारोल रोड, एक सुदूर और विशाल आदिवासी क्षेत्र है, जिसकी आबादी 50,000 से ज़्यादा है. चूँकि इस क्षेत्र की सभी ग्राम पंचायतें आदिवासी बहुल हैं, इसलिए उन्हें पेसा के अंतर्गत शामिल किया गया है. पूरे विशाल

क्षेत्र में एक भी निजी अस्पताल नहीं है. नागरिकों के लिए चिंबीपाड़ा प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र ही एकमात्र विकल्प है, लेकिन यहाँ के नागरिकों को इलाज के लिए भिवंडी पहुँचने में एक घंटे से ज़्यादा समय लगता है. इसलिए यहाँ एक उप-ज़िला अस्पताल की ज़रूरत है. इलाज के लिए यात्रा करना जीवन के लिए खतरा बन गया है, खासकर गर्भवती महिलाओं के लिए.

इस क्षेत्र में सर्पदंश के मरीज भी बड़ी संख्या में पाए जाते हैं. महत्वपूर्ण बात यह है कि बरसात के मौसम में, काम्बे गांव के पास की सड़क बाढ़ के दौरान पूरी तरह से पानी में डूब जाती है, उस समय भिवंडी शहर के लिए कोई वैकल्पिक सड़क नहीं होने से बड़ी समस्या पैदा होती है. आरपीआई सेक्युलर पार्टी के राज्य महासचिव किरण चन्ने ने मांग की है कि सरकार को इस मांग पर गंभीरता से विचार करना चाहिए.चिंबीपाड़ा स्थित प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र को ग्रामीण अस्पताल में परिवर्तित किया जाना चाहिए.बढ़ती जनसंख्या को ध्यान में रखते हुए, भिवंडी के ग्रामीण क्षेत्रों के लिए एक अलग स्वास्थ्य प्रणाली स्थापित की जानी चाहिए. इस अवसर पर उप-विभागीय अधिकारी अमित सनप को एक ज्ञापन सौंपा गया, जिसमें मांग की गई कि सरकार को इस क्षेत्र में हमेशा एम्बुलेंस सेवाएं उपलब्ध करानी चाहिए और तालुका के सभी प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्रों और उप-केंद्रों की गुणवत्ता में सुधार करना चाहिए.

विद्युत प्रवाह में अचानक वृद्धि से कई घरों में उपकरण जले

- उल्हासनगर कांग्रेस ने नागरिकों के लिए मुआवजे की मांग की

उल्हासनगर. मध्य रात्रि के आसपास विद्युत प्रवाह में अचानक वृद्धि के कारण कई नागरिकों के घरों में महत्वपूर्ण उपकरण जल गए। उल्हासनगर शहर जिला अध्यक्ष रोहित साल्वे ने महावितरण कार्यालय अंबरनाथ के मुख्य कार्यकारी अभियंता प्रवीण साकोले से चर्चा की है और अतिरिक्त कार्यकारी अभियंता एन. वी. मार्लेगोकर को एक ज्ञापन सौंपकर मांग की है कि बिजली विभाग प्रभावित नागरिकों को मुआवजा प्रदान करे।

26 मई 2025 को रात लगभग 12 से 2 बजे के बीच, उल्हासनगर-4 में कुर्ला कैंप, पानी की टंकी के पास, हनुमान मंदिर क्षेत्र, साथ ही उल्हासनगर-5 में रविंद्र नगर, तानाजी नगर और सी ब्लॉक क्षेत्र में बिजली का करंट अचानक बढ़ गया, जिससे नागरिकों के घरों में कई महत्वपूर्ण उपकरण जल गए और खराब हो गए। स्विच बोर्ड, बल्ब, टीवी, रेफ्रिजरेटर, वाशिंग मशीन, वाई-फाई राउटर, पंप मोटर आदि उपकरणों को भारी नुकसान हुआ है। इस घटना के कारण नागरिकों को आर्थिक और मानसिक परेशानी का सामना करना पड़ रहा है।

उल्हासनगर जिला कांग्रेस समिति ने मांग की है कि क्षतिग्रस्त क्षेत्र का तत्काल और निष्पक्ष सर्वेक्षण कराया जाए। प्रभावित नागरिकों को उचित मुआवजा दिया जाना चाहिए। भविष्य में ऐसी घटनाओं को रोकने के लिए विद्युत प्रणाली का निरीक्षण और मरम्मत की जानी चाहिए। यदि उपरोक्त मांगें तत्काल स्वीकार नहीं की जाती हैं तो कृपया कार्यालय से संपर्क करें। इसलिए कांग्रेस पार्टी की ओर से जनहित आंदोलन शुरू किया जाएगा। बयान में कहा गया है कि इसकी पूरी जिम्मेदारी बिजली विभाग की होगी। रोहित साल्वे ने नुकसान झेलने वाले नागरिकों को हमारे कांग्रेस पदाधिकारियों से संपर्क करने की चुनौती भी दी।

उर्वशी रौतेला का बैग लंदन एयरपोर्ट से चोरी

- एक्ट्रेस का दावा- लग्जरी बैग में 70 लाख के गहने
- बोलीं- अन्याय सहना, अन्याय को दोहराना

उर्वशी रौतेला ने दावा किया है कि लंदन एयरपोर्ट से उनका एक बैग चोरी हुआ, जिसमें 70 लाख रुपए के गहने थे। एक्ट्रेस ने इस बात की पूरी जानकारी इंस्टाग्राम पर दी है। वो अपनी स्टोरी में बताती हैं कि जब वो विंबलडन देखने लंदन गई थी, तब गैटविक एयरपोर्ट की लैगेज बेल्ट से उनका लग्जरी बैग चोरी हो गया।

इंस्टाग्राम पोस्ट में उर्वशी फ्लाइट डिटेल के साथ डियोर बैग की फोटो शेयर कर लिखती हैं- 'अन्याय सहना अन्याय को दोहराना है। विंबलडन के दौरान मुंबई से एमिरेट्स की उड़ान भरने के बाद गैटविक एयरपोर्ट पर हमारा विंबडलन डियोर ब्राउन बैगेज बेल्ट से चोरी हो गया। इसे वापस पाने के लिए तत्काल मदद का अनुरोध।'

अपने इस पोस्ट में उन्होंने एयरलाइंस एमिरेट्स और लंदन पुलिस को टैग किया है और अधिकारियों से तत्काल कार्रवाई करने की रिक्वेस्ट की है। एक्ट्रेस ने बताया कि उन्होंने एयरपोर्ट ऑफिसर ने अभी तक उनकी शिकायत का जवाब नहीं दिया है।

बता दें कि हाल ही में खत्म हुए विंबलडन में उर्वशी ने खूब सुर्खियां बटोरीं थी। वो महिला सिंगल्स का मैच देखने के लिए लबूबू डॉल्स का कलेक्शन बैग में लटकाकर पहुंची थीं। इसके अलावा ये भी कहा जा रहा था कि उन्होंने जो ड्रेस पहनीं है, उसकी कीमत 14 करोड़ रुपए है।

अवैध बांग्लादेशियों के बर्थ सर्टिफिकेट रद्द करेगी सरकार

मुंबई. महाराष्ट्र सरकार ने राज्य में अवैध रूप से रह रहे बांग्लादेशियों पर सख्त कार्रवाई की शुरुआत कर दी है. सरकार ने साफ कर दिया है कि फर्जी बर्थ सर्टिफिकेट से बन रही घुसपैठ अब नहीं चलेगी. सरकार ने अवैध बांग्लादेशियों के बर्थ सर्टिफिकेट रद्द करने का आदेश दिया है. राज्य के कैबिनेट मंत्री चंद्रशेखर बावनकुले ने बुधवार को बताया कि सरकार ने बांग्लादेशियों की पहचान और कार्रवाई के लिए विशेष टास्क फोर्स गठित कर दी है. जो भी बांग्लादेशी नागरिक फर्जी दस्तावेजों के सहारे महाराष्ट्र में रह रहे हैं, उनकी लिस्ट तैयार की जा रही है. लेकिन सवाल यही है कि इनके बर्थ सर्टिफिकेट बने कैसे?

सरकार ने सभी जिलों को आदेश दिया है कि 15 अगस्त तक सभी फर्जी बर्थ सर्टिफिकेट की जांच पूरी की जाए और उन्हें तत्काल रद्द किया जाए. यानी अब बांग्लादेशियों के लिए महाराष्ट्र में छिपकर रहना आसान नहीं होगा. बावनकुले ने कहाअब तक जिन्हें राजनीतिक संरक्षण मिलता रहा, उन पर भी शिकंजा कसने का समय आ गया है. अवैध दस्तावेज से मिली कोई भी सरकारी सुविधा अब नहीं मिलेगी.

फर्जी बर्थ सर्टिफिकेट आखिर बने कैसे?

दरअसल, यह पूरा नेटवर्क स्थानीय अधिकारियों की मिलीभगत, दलालों की सेटिंग और कमजोर निगरानी पर टिका है. नगरपालिकाओं और पंचायत कार्यालयों में कुछ कर्मचारियों ने रिश्वत लेकर बिना जांच के सर्टिफिकेट जारी कर दिए. कई बार स्थानीय नेताओं के दबाव या सिफारिश पर भी यह हुआ. इन फर्जी नागरिकों ने पहले किराये के पते, फर्जी स्कूल दाखिले या आधार जैसी पहचान बनवाईं. फिर इन्हीं के सहारे जन्म प्रमाणपत्र हासिल कर लिए. इसके लिए स्थानीय एजेंटों का पूरा नेटवर्क काम करता है. कुछ मामलों में स्कूल रजिस्टर में झूठी जानकारी डालकर भी बर्थ सर्टिफिकेट बनवाए गए. डिजिटल रजिस्ट्रेशन की कमी और दस्तावेजों की क्रॉस वेरिफिकेशन न होने से यह फर्जीवाड़ा आसानी से हुआ. अब सरकार की टास्क फोर्स हर सर्टिफिकेट की फील्ड वेरिफिकेशन के साथ जांच करेगी.

NIA अदालत ने मुंब्रा नकली मुद्रा मामले में सुनाई सजा

मुंबई. राष्ट्रीय जांच एजेंसी (एनआईए) की विशेष अदालत ने 2019 के मुंब्रा नकली मुद्रा मामले में, दूसरे आरोपी जसीम उर्फ वसीम सलीम शेख को दोषी ठहराते हुए 5 साल, 7 महीने और 10 दिन के सश्रम कारावास की सजा सुनाई है. इसके साथ ही, अदालत ने जसीम पर 10,000 रुपये का जुर्माना भी लगाया है. उसे भारतीय दंड संहिता (आईपीसी) की विभिन्न धाराओं के तहत दोषी पाया गया है.

यह मामला अगस्त 2019 में सामने आया, जब मुंब्रा पुलिस ने खुफिया जानकारी के आधार पर जसीम के घर की तलाशी ली थी. उस दौरान उन्हें 500 रुपये के मूल्यवर्ग में 82,000 रुपये के नकली भारतीय मुद्रा नोट (एफआईसीएन) बरामद किया था. जांच में पता चला कि जसीम ने कर्नाटक के चिक्काबल्लापुरा जिले में ताल गौरीबिदानूर के, केएसआरटीसी बस स्टैंड के बाहर राधा कृष्ण अडप्पा से नकली नोटों की डिलीवरी ली थी. मुंब्रा पुलिस ने जसीम और अडप्पा के खिलाफ अगस्त 2019 में आरोप पत्र दायर किया था. एनआईए ने मामले की जांच अपने हाथ में लेने के बाद तीसरे आरोपी इशाक खान की संलिप्तता का खुलासा किया था. जो उस समय कोलकाता जेल में एक अन्य अपराध के लिए बंद था.

यह वृत्तपत्र प्रकाशक, मुद्रक, संपादक **श्री हीरो अशोक बोधा** ने श्री गोपाल प्रेस, ब्लॉक नं. ए-99/593, वेनसी जगनानी मार्ग, इंदिरा गांधी गार्डन के पास, उल्हासनगर- 421001. जिल्हा ठाणे, महाराष्ट्र से छपवाकर ब्लॉक नं. ए-99/593, वेनसी जगनानी मार्ग, इंदिरा गांधी गार्डन के पास, उल्हासनगर- 421001. जिल्हा ठाणे, महाराष्ट्र से प्रकाशित किया. **आर.एन.आई. नं. 43638/85** Email: ulhasvikas@gmail.com संपादकीय-विज्ञापन फोन : 2709099